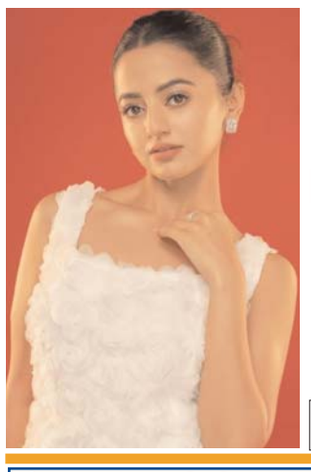

दैनिक

नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

K ✌ K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-31 अंक-51 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 02 अप्रैल 2025 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सीएम राइज स्कूल कहलाएंगे अब सांदीपनि विद्यालय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भगवान श्रीकृष्ण ने की थी सबसे पहले "स्कूल चलें हम" अभियान की शुरूआत

भोपाल(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार विद्यार्थियों को गणवेश, लैपटॉप, ई-स्कूटी, साइकिल, कोचिंग के साथ अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवा कर सही अर्थ में रामराज की कल्पना को साकार कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशन में मध्यप्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में भी विकास कर रहा है। प्रदेश के समस्त निर्मित और निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूलों का नाम अब सांदीपनि विद्यालय होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज भोपाल की अरेरा कॉलोनी स्थित शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (ओल्ड कैम्पियन) में आयोजित स्कूल चलें हम राज्य स्तरीय प्रवेश उत्सव कार्यक्रम-2025 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवीन विद्यालय परिसर पहुंचने ही विद्यार्थियों से संवाद किया और इस अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी देखी। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्रों का अवलोकन कर सराहना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में के.जी.-2 में प्रवेश लेने वाली नन्ही बालिकाओं को माला पहनाकर उनके विद्यालय में प्रवेश की औपचारिकता पूर्ण करवाई। उन्होंने नव प्रवेशी

बालिकाओं को उपहार दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और अन्य अतिथियों ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समस्त शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के प्रवेश की कार्यवाही स्कूल शिक्षा विभाग के एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर स्टूडेंट डायरेक्ट्री मैनेजमेंट सिस्टम से किए जाने और इस पोर्टल में स्कूल शिक्षा विभाग से संबंधित सभी कार्यों को शामिल किए जाने की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पोर्टल 3.0 का शुभारंभ भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का दिन विशेष है। अद्भुत संयोग है, जो मध्यप्रदेश की धरती पर हम देख रहे हैं। हमें अतीत में जाकर देखना होगा और अतीत के घटनाक्रम का शोध भी करना होगा। इसके अनुरूप आवश्यक सुधार भी हम करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब भगवान श्रीकृष्ण ने कंस को मारा तो उस समय की परिस्थितियों में उन्होंने शिक्षा के महत्व को समझा। वह प्रथम स्कूल चलें हम अभियान था। भगवान श्रीकृष्ण ने ही यह अभियान प्रारंभ किया। भगवान श्रीकृष्ण ने कंस के कुशासन का अंत कर शिक्षा का महत्व प्रतिपादित किया। उस युग के ऋषि मुनियों ने निर्णय लिया कि श्रीकृष्ण को शिक्षा के लिए गोकुल भेजा जाए जो सांदीपनि आश्रम था। यहीं पर श्रीकृष्ण और सुदामा की अनुकरणीय मित्रता का उदाहरण भी पूरे विश्व ने देखा कि मित्रता का निर्वाह और आत्मीयता को किस तरह जीवन भर बनाए रखा जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे स्वयं शासकीय विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर यहां तक पहुंचे हैं। अनेक महान लोगों, जिनमें डॉ. एपीजे कलाम भी शामिल हैं, जिन्होंने अपनी लगन और परिश्रम से मिसाइल मैन और भारत के राष्ट्रपति बने। इसी तरह पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद और पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री ने भी अभाव और निर्धनता में रहकर कष्ट सहते हुए शिक्षा ग्रहण की, लेकिन अपने लक्ष्य को प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का भी उल्लेख किया जिन्होंने कठिन बाल्य काल और चाय की दुकान पर कार्य करते हुए आगे बढ़ते हुए परिश्रम से सम्मान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में संभाग स्तर पर सफलतापूर्वक इंडस्ट्री कॉन्क्लेव हुए। उद्योगपतियों ने मध्यप्रदेश में उद्योगों की स्थापना में कदम बढ़ाए हैं। ऐसे उद्योगपतियों की संख्या 60 प्रतिशत है। राज्य शासन उद्योगों को समय-सीमा में भूमि के साथ अन्य सुविधाएं दे रहा है। लक्ष्य यही है कि विद्यार्थियों को और युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार दिलवाया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान भोपाल में रात्रि विश्राम भी किया। भोपाल को राजधानी के अनुरूप इस समिट के आयोजन का सौभाग्य मिला। समिट के लिए स्थान की समस्या बताई गई थी लेकिन राज्य सरकार ने जो व्यवस्था की, उससे सभी संतुष्ट हुए और उद्योगपतियों ने टेंट में रूकने में भी संकोच नहीं किया। संपूर्ण आयोजन अभूतपूर्व हो गया।

दिल्ली विधानसभा में प्रदूषण पर कैग रिपोर्ट पेश, निगरानी और निरीक्षण प्रणाली में मिली कई खामियां

नईदिल्ली(आरएनएस)। दिल्ली विधानसभा में आज वायु प्रदूषण को लेकर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट पेश की गई। इसमें वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों द्वारा तैयार आंकड़ों में संभावित अशुद्धियां, प्रदूषक स्रोतों पर वास्तविक समय की जानकारी का अभाव और सार्वजनिक परिवहन बसों की कमी समेत कई कमियां गिनाई गई हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों की संख्या मानकों के अनुसार नहीं थी, जिससे वायु गुणवत्ता सूचकांक डेटा विश्वसनीय नहीं था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली में बसों की कमी है। 9,000 जरूरी बसों के मुकाबले केवल 6,750 ही उपलब्ध हैं।

इसके अलावा बस प्रणाली में संचालन की अक्षमताएं जैसे बसों का ऑफ-रोड रहना, मार्गों की कम कवरेज और मार्गों को तर्कहीन बनाने से नुकसान की बात भी कही गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2011 के बाद से जनसंख्या में 17 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है, लेकिन ग्रामीण-सेवा वाहनों की संख्या में कोई वृद्धि नहीं हुई।

रिपोर्ट में बताया गया है कि उचित वायु गुणवत्ता निगरानी के लिए आवश्यक प्रदूषक सांद्रता डेटा उपलब्ध नहीं था और हवा में सीसे के स्तर को भी नहीं मापा गया।

वक्फ बिल पर वोटिंग के लिए BJP ने जारी की व्हिप, सभी सांसदों को हाजिर रहने का निर्देश

नई दिल्ली(आरएनएस)। केंद्र सरकार बुधवार को संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पेश कर सकती है। हालांकि, विधेयक पेश होने से पहले ही सियासत गर्म है। विपक्षी दलों के नेता इस विधेयक को मुस्लिम विरोधी बता रहे हैं, तो सत्ता पक्ष के नेताओं ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए इसे मुस्लिमों के हित में बताया है। इस विधेयक को लेकर लोकसभा में बुधवार को वोटिंग होनी है। इसके लिए भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने कमर कस ली है।भाजपा ने मंगलवार को ही व्हिप जारी कर दिया है और अपने सभी सांसदों से लोकसभा में मौजूद रहने को कहा है। पार्टी की ओर से जारी व्हिप में कहा गया कि बुधवार को सदन में अति महत्वपूर्ण विधायी कार्य है। उन्हें पारित करने के लिए सभी लोग पार्टी का समर्थन करें और वोटिंग करें। व्हिप में सभी सांसदों से पूरे दिन सदन में ही मौजूद रहने को कहा गया है। भाजपा के पास लोकसभा में 240 सांसद ही हैं। सरकार जेडीयू और टीडीपी पर निर्भर है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि इस विधेयक को लेकर किस दल का क्या रुख रहेगा। अब तक चिराग पासवान की पार्टी लोजपा-आर ने खुलकर समर्थन नहीं किया है, लेकिन विपक्ष को मुसलमानों को डराने से बचने की नसीहत दी है। इसी तरह जेडीयू का स्टैंड भी क्लियर नहीं है। ललन सिंह ने कहा कि हम लोकसभा में ही अपना रुख स्पष्ट करेंगे। इसके चलते सस्पेंस भी बढ़ गया है कि आखिर क्या होगा। वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने दावा किया है कि सरकार को अपने सहयोगी दलों के अलावा विपक्ष के भी कुछ सांसदों का समर्थन हासिल है।सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि विधेयक पर सदन में आठ घंटे की प्रस्तावित चर्चा के बाद अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू जवाब देंगे। इस विधेयक को पारित कराने के लिए सदन की मंजूरी लेंगे।

पकड़ा गया खालिस्तानी आतंकी पन्नू का झूठ, एक चिट्ठी से सच हुई भारत की बात

नई दिल्ली (ए)। अमेरिका में बैठकर भारत के खिलाफ आग उगलने वाला खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू का झूठ पकड़ा गया। उसने अमेरिकी अदालत को बरगलाने की पूरी कोशिश की। उसने अजीत डोभाल के समन को लेकर झूठ बोला। मगर उसकी दाल नहीं गल पाई और झूठ पकड़ी गई।खालिस्तानी आतंकी पन्नू के वकील ने कोर्ट को एक चिट्ठी लिखी थी जिसके बाद अदालत ने ये प्रतिक्रिया दी है। इस चिट्ठी में खुलासा हुआ है कि जब आतंकी पन्नू के सर्वर (समन लेकर जाने वाला) ने ब्लेयर हाउस (जहां भारतीय प्रतिनिधिमंडल रुका था) के बाहर नोटिस देने की कोशिश की तो राष्ट्रपति के गेस्ट हाउस की सुरक्षा में तैनात अमेरिकी सीक्रेट सर्विस एजेंटों ने उसे गिरफ्तार करने की धमकी दी। इसके बाद आतंकी पन्नू के सर्वर ने उस समन को पास के एक स्टारबक्स स्टोर पर ही छोड़ दिया, जो कोर्ट के लिए पर्याप्त साबित नहीं हुआ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक के साथ।

सरकार का सख्त एक्शन, घटिया दवाओं पर रोक के आदेश

-आपकी सेहत से ना हो खिलवाड़!

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को फर्मा कंपनियों से कहा कि वे गुणवत्ता के मानक पर खराब घोषित की गई दवाओं को तुरंत वापस लें तथा उसका आगे वितरण बंद करें. स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने राज्यसभा में यह जानकारी दी. राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा द्वारा डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके दवा की गुणवत्ता के मुद्दों की वास्तविक समय पर ट्रैकिंग को मजबूत करने की योजना पर उठाए गए प्रश्न का उत्तर देते हुए, पटेल ने कहा कि सीडीएससीओ की दवा परीक्षण प्रयोगशालाओं को एकीकृत करने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल, सुगम लैब्स सितंबर 2023 से लागू है.उन्होंने कहा, यह गुणवत्ता विनिर्देश को पूरा करने और प्रयोगशालाओं में परीक्षण की स्थिति का पता लगाने के लिए चिकित्सा उत्पादों (ड्रग्स, वैक्सीन, सौंदर्य प्रसाधन और चिकित्सा उपकरणों) के परीक्षण के लिए संपूर्ण कार्यप्रवाह को स्वचालित करता है. पटेल द्वारा संसद में दिया गया यह बयान इस तथ्य के मद्देनजर महत्वपूर्ण है कि हर महीने सीडीएससीओ विभिन्न दवा कंपनियों द्वारा निर्मित विभिन्न दवाओं को मानक गुणवत्ता के नहीं होने का पता लगाता है।

के.ए. पॉल ने राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों की निंदा की

नई दिल्ली/ हैदराबाद,(आरएनएस)। विश्व के सबसे प्रसिद्ध प्रचारक और प्रजाशांति पार्टी के अध्यक्ष डॉ. के.ए. पॉल ने गृह मंत्रालय के राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों की निंदा की है। हैदराबाद विश्वविद्यालय की जमीन विवाद पर उन्होंने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए राष्ट्रीय हितों की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया। डॉ. पॉल ने कहा कि बंदी संजय कुमार को नासमझ बयान देने से पहले विवेक का प्रयोग करना चाहिए। हैदराबाद विश्वविद्यालय की ज़मीनें मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा बेची जा रही थीं, और मैंने इन लेन-देन को रोकने के लिए सक्रिय रूप से काम किया। इसके बावजूद, बंदी संजय कुमार मेरे प्रयासों की सराहना करने के बजाय मुझ पर झूठे आरोप लगा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में बुलडोजर कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, दिया 10-10 लाख मुआवजे का आदेश

नईदिल्ली, (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने 2021 में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुई बुलडोजर कार्रवाई पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने प्रयागराज विकास प्राधिकरण को 5 याचिकाकर्ताओं को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। प्राधिकरण को यह मुआवजा 6 हफ्ते के भीतर देना होगा।

कोर्ट ने मामले पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि यह हमारी अंतरात्मा को झकझोरता है और प्राधिकरण ने घर गिराने की प्रक्रिया मनमानी तरीके से की 2021 में प्रयागराज में एक वकील, एक प्रोफेसर और 3 अन्य लोगों के मकान तोड़ दिए गए थे।इन लोगों को 6 मार्च, 2021 को नोटिस दिया गया था। आरोप था कि ये जमीन दिवंगत गैंगस्टर अतीक अहमद के नाम पर थी। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि नोटिस जारी होने के 24 घंटे के भीतर और अपील का समय दिए बिना ही मकान तोड़े गए।

बाद में याचिकाकर्ताओं ने इलाहाबाद हाई कोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। कोर्ट ने कहा, घर गिराने की प्रक्रिया असंवैधानिक थी। यह हमारी अंतरात्मा को झकझोरता है। राइट टू शेल्टर नाम भी कोई चीज होती है। उचित प्रक्रिया नाम की भी कोई चीज होती है। इस तरह की कार्रवाई किसी तरह से भी ठीक नहीं है।कोर्ट ने कहा कि यह मुआवजा इसलिए भी जरूरी है, ताकि भविष्य में सरकारें बिना उचित प्रक्रिया के लोगों के मकान गिराने से परहेज कर सकें। फैसले पर अखिलेश यादव ने लिखा, इस मामले में कोर्ट ने नोटिस मिलने के 24 घंटे के भीतर मकान गिरा देने की कार्रवाई को अवैध घोषित किया है। सच तो ये है कि घर केवल पैसे से नहीं बनता है और न ही उसके टूटने का जख्म सिर्फ पैसों से भरा जा सकता है।

चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों के मुद्दों को सुलझाने के लिए कीं 5000 बैठकें

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत के चुनाव आयोग (ईसी) ने राजनीतिक दलों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है. आयोग ने हाल ही में देश भर में विभिन्न स्तरों पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ लगभग 5,000 बैठकें की हैं. इन बैठकों का उद्देश्य विभिन्न स्तरों पर संबंधित सक्षम प्राधिकारी द्वारा किसी भी लंबित मुद्दे को हल करना था.चुनाव आयोग द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, 25 दिनों की अवधि में कुल 4,719 बैठकें हुईं. इन बैठकों का विवरण इस प्रकार है.40 बैठकें राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) द्वारा आयोजित की गईं.800 बैठकें जिला चुनाव अधिकारियों द्वारा आयोजित की गईं.3,879 बैठकें निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों द्वारा आयोजित की गईं. चुनाव आयोग ने बताया कि इस प्रक्रिया में देश भर में राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों के साथ बातचीत शामिल थी।

विविध-समाचार

वार्ड 47 में विधायक सबनानी ने किया विकास कार्यों का भूमि पूजन

भोपाल (आरएनएस)। दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 47 में सोमवार को विकास कार्यों के लिए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व क्षेत्र के विधायक भगवानदास सबनानी द्वारा पंचशील नगर में धार्मिक स्थलों के विकास हेतु भूमिपूजन किया। इस अवसर पर दिगंबर सकल जैन समाज के साधु-संतों के निहार व्यवस्था, मद्रासी समाज मर्यम्मन माता मंदिर के सौंदर्यीकरण, धम्मा वड़ा बौद्ध विहार निर्माण एवं राधे माता मंदिर की बाउंड्री वॉल के सौंदर्यीकरण जैसे कार्यों का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सबनानी ने कहा कि मेरे विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी छोटी बड़ी हर समस्या के निवारण के लिए हम निरंतर प्रयास कर रहे हैं और उनका निवारण भी किया जा रहा है, समय-समय पर जनता की मांग के अनुसार क्षेत्र के विकास की योजनाएं बनाई जाती हैं आस्था के इन केंद्रों के विकास से श्रद्धालुओं को सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्र में धार्मिक-सांस्कृतिक समृद्धि को नया आयाम मिलेगा। मैं वार्ड 47 की पार्षद गिरिजा राजेश खटीक जी को बधाई देता हूं कि वह सदैव जनता की समस्याओं के प्रति गंभीरता से योजनाएं बनाकर काम करती हैं और क्षेत्र के विकास में अपना योगदान दे रही हैं।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष प्रियेश उपाध्याय पूर्व पार्षद राजेश खटीक, संजय जैन, संतोष जैन, वार्ड संयोजक राजेंद्र राठौड़, कुंदन प्रजापति, राधेश्याम प्रजापति, जगदीश प्रजापति, उत्तम जाधव, अंशुमान साल्वे सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक और भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खेड़ापति माता मंदिर की कलश यात्रा में शामिल हुए सबनानी

भोपाल(आरएनएस)। नवरात्रि के पावन अवसर पर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कोटरा गांव में स्थित खेड़ापति माता मंदिर में कलश स्थापना हेतु भव्य कलश यात्रा निकल गई, यात्रा में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व क्षेत्र के विधायक भगवानदास सबनानी सम्मिलित हुए। कोटरा गांव में खेड़ापति माता के मंदिर में कलश स्थापना से पहले साई मंदिर नेहरू नगर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई जो विभिन्न मार्गो से होते हुए खेड़ापति माता मंदिर पर जाएगी। कलश यात्रा में क्षेत्रीय विधायक भगवानदास सबनानी सम्मिलित हुए और सभी को इस शुभ अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दी, सबनानी ने कहा कि नवरात्रि के पावन अवसर पर खेड़ापति माता के मंदिर में कलश स्थापना होना अति शुभ अवसर है। मैं लीलाधर यादव सहित समिति के सभी सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं कि जो उन्होंने इस शुभ अवसर पर इस पवित्र आयोजन की तैयारी की, मंदिर में कलश स्थापना अति विशेष माना गया है, हमारे मंदिरों में कलश दर्शन का भी विशेष में महत्व है और कलश दर्शन से बड़ा पुण्य मिलता है। इस अवसर पर मंदिर समिति के सदस्य विकास शर्मा राजेंद्र राठौड़, नंदकिशोर तेलकर, दिनेश भारती, कमल सिंह यादव, हरि सिंह मालवीय, बाबूलाल यादव, राजेश पाठक, रोशन चंद्र, राजेश सेन, डिंपल श्रीवास्तव समिति बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस मुख्यालय परिवार द्वारा 09 सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भावभीनी विदाई

भोपाल (आरएनएस)। पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से माह फरवरी तथा माह मार्च में सेवानिवृत्त 09 कर्मचारियों को विशेष पुलिस महानिदेशक आदर्श कटियार ने शुक्रवार को भावभीनी विदाई दी। वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी को प्लांट एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए और उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके विभिन्न स्वत्व (क्लेम) भुगतान के आदेश भी प्रदान किए गये। नवीन पुलिस मुख्यालय भवन कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित विदाई समारोह में विशेष पुलिस महानिदेशक पवन श्रीवास्तव, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अनिल कुमार, ए.साई मनोहर सहित अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित थे। पुलिस मुख्यालय से सेवानिवृत्त का.वा. निरीक्षक अ.अ.वि. शाखा जवाहर लाल लोधी, कार्यवाहक सहायक अधीक्षक निरीक्षण शाखा श्रीमती शशिकला ढोके, कार्यवाहक सूबेदार (एम) चयन शाखा श्रीमती अंजता गुप्ता, कार्यवाहक सूबेदार (एम) केन्द्रीय आवक-जावक शाखा श्रीमती मृदुला सक्सेना, सेवानिवृत्त कार्यवाहक सूबेदार (एम) सूचना के अधिकार अरूण कुमार गुप्ता, कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक पीटीआरआई परसनाथ यादव, कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक अ.अ.वि. किशोरीलाल उइके, कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक (फोटो) अ.अ.वि. इन्द्रनारायण बाथम तथा कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक विशेष शाखा पुरूषोत्तम प्रजापति को पुलिस मुख्यालय परिवार ने शुक्रवार को भावभीनी विदाई दी। सहायक पुलिस महानिरीक्षक डॉ.अंशुमान अग्रवाल ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कार्यकाल पर प्रकाश डाला। विदाई समारोह में मौजूद अधिकारियों ने सेवानिवृत कर्मचारियों की मेहनत और लगन की सराहना की।

ग्राहक बनकर आई दो महिलाओं ने ज्वैलर्स शोरुम से पार किए लाखों के आभूषण

भोपाल(आरएनएस)। मालवीय नगर में राज श्री ज्वैलर्स शोरूम से ग्राहक बनकर आई दो महिलाओं ने लाखों रुपए के जेवरात चोरी कर लिए। उनके साथ एक मासूम बच्चा भी था। घटना के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं। अरेरा हिल्स पुलिस ने अज्ञात महिलाओं पर एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले की जांच की जा रही है।अरेरा हिल्स थाना पुलिस के मुताबिक रोशनपुरा चौराहे के नजदीक राज श्री ज्वैलर्स शो रूम है। 28 मार्च को दुकान में दो महिलाएं आई, उनके साथ एक बच्चा भी था। उन्होंने सोने की चूड़ी दिखाने के लिए बोला। दुकान पर मौजूद सेल्स मेन राजेश अग्रवाल ने उन्हें कई तरह की चूडियां दिखाई। करीब आधा घंटा तक उन्होंने सामान देखा।आधे घंटे बाद माल पसंद ना आने का बोलकर दोनों महिलाएं चली गई। उनके जाने के बाद सेल्स मेन वापस जेवरातों को बॉक्स में रखकर शोकेस में जमाने लगा। इसी दौरान उसे अहसास हुआ कि सोने की एक चूड़ी का सेट नहीं हैं। उसने तुरंत मालिक को यह बताया। सीसीटीवी कैमरे चैक किए तो वह महिला जेवरात चोरी करते हुए दिखाई दी। पुलिस को घटना के बाद शिकायती आवेदन थाने में दिया गया। 29 मार्च को पुलिस ने केस में एफआईआर नंबर 62/25 दर्ज की। यह प्रकरण राजेश अग्रवाल पिता कुंवर सिंह अग्रवाल (60) की शिकायत पर दर्ज किया।

मालवीय नगर में दूसरी जगह शिफ्ट होगी शराब की दुकान

भोपाल (आरएनएस)। वार्ड नंबर-34 स्थित मालवीय नगर में नई शराब दुकान खुल रही है। इसके पास ही विधायक रेस्ट हाउस, बिड़ला मंदिर भी है। वहीं, घना रहवासी इलाका भी है। इसके चलते लोग विरोध कर रहे हैं। दो दिन पहले कई महिलाएं सड़क पर उतर आई थी। काले झंडे लेकर उन्होंने दुकान के सामने प्रदर्शन भी किया था। वहीं, सोमवार को वे महापौर मालती राय से भी मिलने पहुंचीं और दुकान न खोले जाने की मांग की। बताया जाता है कि ये दुकान पुरानी जगह पर ही लगेगी। ऐसे में रहवासियों को राहत मिल सकती है।

सभी नगरों में सीवरेज प्रोजेक्ट्स जल्द से जल्द पूरा करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सॉलिड वेस्ट के साथ ही लिक्विड वेस्ट के समुचित निदान पर भी दें ध्यान

भोपाल एवं इंदौर की भावी जरूरतों के लिए अच्छे शहर नियोजकों को जोड़ें

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के सभी नगरों में चल रहे सीवरेज प्रोजेक्ट्स जल्द से जल्द पूरे किये जायें। सीवरेज के लिए स्थायी प्रकृति के काम हों। शहरों के वेस्ट वाटर का नदियों में निस्तारण (डिस्पोजल) न होने पाए, इससे हमारी नदियां प्रदूषित होने से बचेंगी। उन्होंने कहा कि सॉलिड वेस्ट के साथ लिक्विड वेस्ट (गंदा पानी) के समुचित निस्तारण पर भी विशेष ध्यान देकर प्रभावी कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के संचालक मंडल की 10वीं बैठक की अध्यक्षता कर संबोधित कर रहे थे।बैठक में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री तथा म.प्र. अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के उपाध्यक्ष एवं संचालक कैलाश विजयवर्गीय, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, मुख्य सचिव एवं म.प्र. अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के उपाध्यक्ष एवं संचालक अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय एवं कंपनी के संचालक डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा एवं कंपनी के संचालक नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास एवं कंपनी के संचालक संजय कुमार शुक्ला, प्रमुख सचिव वित्त एवं कंपनी संचालक मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव पीएचई एवं कंपनी के संचालक पी.नरहरि, मुख्यमंत्री के सचिव एवं आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास एवं कंपनी के प्रबंध संचालक सिबी चक्रवर्ती एम. सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल और इंदौर जल्द ही मेट्रोपॉलिटन सिटी बनने की ओर बढ़

रहे हैं। इसलिए अपने कार्य में महारत हासिल करने वाले अच्छे शहर नियोजकों को अर्बन कंपनी से जोड़ें। दोनों शहरों की भावी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इनकी सिस्टमेटिक प्लानिंग करें। सड़क, लोक परिवहन एवं सीवरेज ट्रीटमेंट में विशेषज्ञता रखने वाले विशेषज्ञ व्यक्तियों को भी इस कंपनी से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि अर्बन डेवलपमेंट कंपनी की बैठक कंपनी लॉ के मुताबिक नियमित रूप से कराई जाएं। इससे लंबित कार्य प्रस्तावों का समय-समय पर अनुमोदन किया जा सकेगा। साथ ही कंपनी के कार्यों में नियमितता आएगी और निर्माण कार्यों की लागत भी नहीं बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी निर्माणाधीन कार्य तय समय-सीमा में ही पूरे किए जाएं। सभी कामों के लिए एक्शन प्लान बना कर कार्यवाही की जाए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में नर्मदा नदी के आसपास करीब 12 सीवरेज निर्माण कार्य जारी है, इनमें से 10 कार्य पूरे हो चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कंपनी यह तय करें कि शहरों के वेस्ट से नदियां प्रदूषित न होने पाए। नदियां हमें जीवन देती हैं और उन्हें अविरल प्रवाहमान बनाए रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि उज्जैन में क्षि्प्रा नदी में किसी भी सूरत में प्रदूषण न होने पाए इसके लिए सीवरेज प्रबंधन के समुचित उपाय किए जाएं।बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संचालक मंडल द्वारा रखे गए सभी कार्य प्रस्तावों एवं भावी आवश्यकताओं के अनुसार कंपनी में पद सृजन प्रस्ताव को अनुमोदन दिया। बैठक में संचालक मंडल के स्वतंत्र संचालकों के रूप में के.के. सिंह व श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव के पूरे हो चुके कार्यकाल के विस्तार का अनुमोदन किया गया। साथ ही अन्य प्रशासनिक प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई।आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं कंपनी के प्रबंध संचालक श्री चक्रवर्ती ने मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के गठन से लेकर अब तक किए गए कार्यों और इनकी उपयोगिता का प्रेजेंटेशन दिया।

उन्होंने बताया कि कंपनी का गठन 1 जनवरी 2015 को किया गया था। कंपनी द्वारा प्रदेश के सभी नगरों में नागरिकों की बेहतरी एवं सुविधा विस्तार के लिए शहरी विकास एवं नियोजन से जुड़े सभी श्रेणी के कार्य कराए जा रहे हैं। वर्तमान में कंपनी द्वारा शहरी नियोजन के लिए करीब 8000 करोड़ रुपए का दीर्घकालीक ऋण लेकर कार्य कराए जा रहे हैं। वर्ष 2024-25 में 76 निर्माण कार्य पूरे हो चुके हैं, वर्तमान में 86 निर्माण कार्य तेजी से जारी हैं।

खेल एवं युवा कल्याण एवं सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग की उपस्थिति में मंत्रालय के सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में माह के पहले दिन जन गण मन एवं वंदे मातरम का सामूहिक गान हुआ मुख्य सचिव अनुराग जैन भी उपस्थित थे।

युवती की सल्फास की गोलियां खाने से मौत

भोपाल (आरएनएस)। सूखी सेवनिया इलाके में रहने वाली युवती की सल्फास की गोलियां खाने से मौत हो गई। घटना सोमवार की है, इलाज के दौरान मंगलवार को उसकी जान चली गई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि गलती से युवती ने गोलियां खाई थीं। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।सूखी सेवनिया पुलिस ने बताया कि 18 वर्षीय नेहा कुशवाहा बरखेड़ा अब्दुल्ला गांव में रहती थी। आठवीं कक्षा पास करने के बाद उसने पढ़ाई छोड़ दी थी। सोमवार को घर में गेहूं के बोरे आए थे। उसके पिता गेहूं में सल्फास की गोलियां रख रहे थे। इस दौरान नेहा भी इसी कमरे में थी। कुछ देर बाद ही पिता कमरे से बाहर चले गए।जब पिता वापस आए नेहा लगातार उल्टियां कर रही थी। परिजन उसे तुंरत ही पटेल नगर इलाके के एक निजी अस्पताल में लेकर गए। यहां पर इलाज के दौरान सोमवार तड़के सुबह नेहा की मौत हो गई। अस्पताल से सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा जांच शुरू की।

पुलिस को मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला। वह मोबाइल का इस्तेमाल भी नहीं करती थी। प्राथमिक तौर पर परिजनों ने बताया कि नेहा ने गलती से सल्फास की गोलियां खा ली हैं।

जमीनी संघर्ष से लेकर लंबा राजनैतिक सफर रहा स्व.सुभाष यादव का-मुकेश नायक

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी में आज सहकारिता के पुरोधा किसानों के मसीहा और किसानों के हक और अधिकारों की लड़ाई लड़ने जमीन से लेकर दिल्ली के राजनैतिक गलियारों तक किसानों की आवाज को बुंदल करने वाले स्वर्गीय सुभाष यादव जी की जन्म जयंती पर कांग्रेसजनों ने आज उनका पुण्य स्मरण किया। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के सभागार में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में कांग्रेसजनों ने स्वर्गीय सुभाष यादव जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके जीवन पर संक्षिप्त प्रकाश डाला।प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने स्वर्गीय सुभाष यादव को किसानों का मसीहा बताते हुये कहा कि जमीनी संघर्ष से लेकर उनका राजनैतिक सफर काफी लंबा रहा। उन्होंने छोटे से कस्बे से लेकर जिला, प्रदेश और दिल्ली तक का लंबा राजनैतिक सफर तय किया। उन्होंने विधायक, सांसद, मंत्री, अपेक्स बैंक के अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से लेकर उपमुख्यमंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुये किसानों और प्रदेश की जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ी।नायक ने कहा कि सहकारी आंदोलन के पिता सहज, सरल व्यक्तित्व के धनी रहे। अनंत स्मृति जो कांग्रेसजनों के हृदय में बसी हैं उनहें हम संजोकर रखेंगे।पुष्पांजलि कार्यक्रम में कांग्रेस नेता भूपेन्द्र गुप्ता, अभिनव बरोलिया, विवेक त्रिपाठी, विक्रम चौधरी, सीताशरण सूर्यवंशी, सीताराम यादव सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 12 हजार 958 करोड़ का किया राजस्व संग्रहण

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने दी बधाई

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 12 हजार 958 करोड़ रूपए का राजस्व संग्रहित किया हैं। यह कंपनी का अब तक का सर्वाधिक राजस्व संग्रहण हैं। कंपनी की इस उपलब्धि पर प्रदेश के ऊर्जामंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कंपनी के कार्मिकों को बधाई दी हैं, और बिल राशि जमा करने वालों के प्रति भी आभार माना हैं। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि मार्च में कंपनी ने सतत ही उपभोक्ताओं से संपर्क कर बकाया राशि वसूली के लिए महा-अभियान चलाया गया। सभी पुराने बकायादार उपभोक्ताओं से संपर्क किया गया था। इसी कारण मार्च में कंपनी को 28 लाख से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं से बिजली बिल बकाया राशि प्राप्त हुई हैं। अनूप कुमार सिंह ने बताया कि मार्च में कंपनी के कुल 1866 करोड़ रूपए एवं वित्तीय वर्ष के दौरान कुल 12958 करोड़ रूपए की राशि प्राप्त हुई हैं। प्रबंध निदेशक श्री सिंह ने बताया कि इस बिल राशि राजस्व संग्रहण में लाखों बिजली उपभोक्ताओं द्वारा बिजली बिल रकम चुकाने के योगदान के साथ ही कंपनी के हजारों कार्मिकों का राजस्व लक्ष्य अर्जित करने को लेकर समर्पण भी शामिल हैं। प्रबंध निदेशक ने वित्तीय लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्मिकों को बधाई दी हैं, साथ ही बिल राशि जमा करने वाले घरेलू, गैर घरेलू, उद्योग, व्यापारिक, कृषि ,शासकीय कनेक्शन वाले बिजली उपभोक्ताओं, शासकीय राशि जमा करने वाले विभागों के अधिकारियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया हैं।

एमसीए कर रहे रैपिडो राइडर से दिन भर घुमने के बाद छुरी अड़ाकर लूटा

-40 किलोमीटर घुमने के बाद 40 हजार का मोबाइल छीन लिया

भोपाल(ए.)। शहर के पिपलानी थाना इलाके में रैपिडो राइडर को चाकू की नोंक पर लूटने का मामला सामने आया है। आरोपी के दोस्त ने रैपिडो को बुक किया था, इसके बाद शहर भर में घुमाने के बाद चाकू अड़ाकर लूट लिया। पीड़ित युवक कॉलेज छात्र है जो अपना खर्च निकालने के लिये पार्ट टाइम रैपिडो चलाता है। पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। थाना पुलिस के अनुसार अमित सिंह पिता उदय सिंह (24) ने अपनी शिकायत में बताया की वह मूलतः बिहार का रहने वाला है, और स्टेशन बजरिया थाना इलाके में स्थित चांदबड़ में रहते हुए एलएनसीटी कॉलेज से एमसीए का कोर्स कर रहा है। अपना खर्च निकालने के लिये वह पार्ट टाईम में रैपिडो चलाने का काम करता है। उसने पुलिस को आगे बताया की 24 मार्च को एक बुकिंग आने पर वह मीनाल रेसीडेंसी में एक ब्यूटी पार्लर में पहुंचा। यहां काम करने वाले रिषी रजक ने बताया की बुकिंग उसने अपने दोस्त शुभम कहार के लिये की थी। उसने अमित से शुभम को छोला रोड पर छोड़ने के लिए बोला। अमित उसे लेकर चल दिया लेकिन आरोपी शुभम कहार छोला न जाकर उसे शहर में कई जगहों पर कीरब 40 किलोमीटर तक घुमाता रहा। बाद में वह उसे रत्नागिरी चौराहे पर और वहॉ से उसे भेल के खंडहरनुमा मकान की और ले गया। वहां ले जाकर आरोपी शुभम ने उसके गले पर चाकू अड़ाकर उससे 40 हजार का मोबाइल झपट लिया और धमकाते हुए अमित को भगा दिया। बाद में छात्र ने सारी बात अपने परिजनों को बताई और फिर शिकायत करने पुलिस थाने जा पहुंचा।

गोदामों के निरीक्षण में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध करें सख्त कार्यवाही

शासकीय गोदामों के रिक्त क्षमता का व्यवसायिक उपयोग सुनिश्चित करें

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने वेयरहॉउसिंग कॉर्पोरेशन की संचालक मंडल की बैठक में दिये निर्देश

भोपाल (आरएनएस)। गोदामों का नियमानुसार निरीक्षण एवं भौतिक सत्यापन कराया जाये। इस कार्य में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करें। उपार्जित खाद्यान्न के भंडारण के साथ ही शासकीय गोदामों में उपलब्ध रिक्त क्षमता के उपयोग के लिये अन्य वैकल्पिक व्यवसाय प्राप्त करने के प्रयास करें। शासकीय गोदामों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करें। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने यह निर्देश मध्यप्रदेश वेयरहॉउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन की संचालक मंडल की बैठक में दिये।भंडारण शुल्क दरें पुनरीक्षित नहीं करने वाले अधिकारियों को दे नोटिसमंत्री श्री राजपूत ने कहा कि निगम की वर्ष 2016 के बाद प्रतिवर्ष की जाने वाली भंडारण शुल्क दरें पुनरीक्षित नहीं की गई हैं। इस कार्य में देरी करने वाले तत्कालीन शाखा प्रभारी रहे महाप्रबंधक एवं अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी करें। उन्होंने नियमानुसार 1 अप्रैल 2025 से नवीन दरें लागू करने की स्वीकृति भी दी।

नवीन बीमा पॉलिसी में अधिकतम नुकसानों का कवर जरूरी

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि निगम द्वारा प्रस्तावित नवीन बीमा पॉलिसी में पुरानी पॉलिसी में लागू प्रावधानों के साथ ही अन्य नुकसानों का अधिकतम कवरेज करने का भी प्रावधान करें। साथ ही नवीन पॉलिसी तत्काल लागू करने की कार्यवाही करें।

गोदामों में भंडारण की समय-सीमा निर्धारित करें

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि गोदामों में उपार्जित अनाज के भंडारण की समय-सीमा निर्धारित की जाये। मैकेनाईज्ड सीड सेग्रीगेशन मशीन का उपयोग सुनिश्चित करें। मशीनों की गुणवत्ता का भी परीक्षण कराया जाये। श्री राजपूत ने कहा कि निगम अंतर्गत निर्माण शाखा सहित अन्य शाखाओं में रिक्त पदों पर संविदा नियुक्ति की कार्यवाही जल्दी करें।

मंत्री श्री पटेल की अध्यक्षता में नर्मदा परिक्रमा पथ और अन्य विषयों पर बैठक

रेडी-टू-स्टे आश्रय का निर्माण होगा, चातुर्मास करने वालों के लिए विशेष प्रबंध करने के दिए निर्देश

भोपाल(ए.)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में नर्मदा परिक्रमा पथ के साथ

ही अन्य विषयों पर विभागीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मंत्री श्री पटेल ने अधिकारियों से नर्मदा परिक्रमा को ध्यान में रखकर रेडी टू स्टे आश्रय के निर्माण पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि करीब डेढ़ एकड़ में आश्रय का निर्माण किया जा सकता है, जिसमें पेड़ पौधे लगाने के साथ ही रुकने-ठहरने की अच्छी व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा सकती है। मंत्री श्री पटेल ने चातुर्मास करने वालों के लिए विशेष प्रबंध करने को लेकर भी अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मदद के लिए स्वयं पहल करने वाले लोगों या समितियों को इसमें शामिल किया जा सकता है।

अत्याधुनिक तकनीक से नर्मदा परिक्रमा पथ का चिन्हांकन

नर्मदा परिक्रमा पथ के चिन्हांकन के लिए इस बार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अत्याधुनिक तकनीक का सहारा ले रहा है। इसके लिए एक सॉफ्टवेयर का निर्माण किया गया है, जिसपर GIS की अत्याधुनिक तकनीकों को शामिल किया गया है। मंत्री श्री पटेल ने इस सॉफ्टवेयर की तारीफ़ करते हुए कहा कि इसकी मदद से नर्मदा परिक्रमा आसान होगी और इसका प्रयोग ग्रे वॉटर मैनेजमेंट के साथ साथ विभाग की अन्य गतिविधियों में भी बहुत काम आयेगा।

ब्राह्मण महिला मंडल ने मनाया कीर्तन के साथ हिंदू नववर्ष

गुना (आरएनएस)। सनातन धर्म संस्कृति के अनुसार चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस व सृष्टि रचना का प्रथम दिवस एवं भगवान श्री रामचंद्र के राज्याभिषेक होने के साथ-साथ हिंदू नव वर्ष का भी शुभ दिन होता है। इस दिन की शुरुआत सबसे पहले माता की भेंटे भजन कीर्तन के साथ मिश्री काली मिर्च नीम की पत्ती खाकर साल की शुभारंभ किया गया। क्योंकि मिश्री मिठास का प्रतीक है नीम हमारे अंदर बीमारियों को खत्म करता है और काली मिर्च अपने आप में एक औषधि हमारे आयुर्वेद में तीनों का गुणगान बताया है कहा जाता है की शुरुआत नवरात्रि में अगर 9 दिन इन तीनों की पीसकर गोली बनाकर 9 दिन खा लें ने से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है वह हमारी चरक संहिता में इसका विस्तार से वर्णन है और सभी ब्राह्मण बहनों ने मिलकर इसको खाया एवं अपने परिवार एवं समाज में भी सभी से खाने का आग्रह किया।

मुस्लिम समाज के जिम्मेदारों ने ईद पर अनाथ आश्रम और वृद्धाश्रम में बांटे फल

गुना (आरएनएस)। गुना में ईद का त्यौहार बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान यहां एक और ईदगाह और मस्जिदों में नमाज के बाद लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर ईद की बधाई दी। वहीं मुस्लिम समाज के जिम्मेदारों ने अनाथ आश्रम पहुंचकर बच्चों के बीच खेलोंने वितरण करने के साथ ही फ़ल वितरित किए।

बमोरी जनसुनवाई: प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर ही किया समस्याओं का समाधान

बमोरी(आरएनएस)। बमोरी में जनसुनवाई के दौरान आए समस्याओं के आवेदनों को सुना गया, जिनमें कुछ आवेदनों में संपूर्ण समाधान ओर निराकरण इस जन सुनवाई में हुआ हैं, हमारे कलेक्टर,sp,सीईओ,जनपद सीईओ,जनपद अध्यक्ष ओर sdm ने सुनवाई में खड़े रहकर समाधान किया हैं।

मध्य प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर एसोसिएशन ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को संघ की समस्याओं के निराकरण के लिए दिया ज्ञापन

गुना (आरएनएस)। संघ की अपने निम्न मांगों को लेकर केंद्रीय मंत्री सिंधिया को ज्ञापन दिया जिसमे संघ की प्रमुख्य मांगे, संविदा नीति 2023 का क्रियान्वयन। अभियंताओं का पे ग्रेड 3200 से 3600,के लिए मध्य प्रदेश लोक चयन सेवा की शर्त विलोपित किए जाने ,वरिष्ठ उपयंत्री गण को दिया गया चतुर्थ समय मान वेतनमान में शैक्षणिक योग्यता का विलोपित कर वेतनमान प्रदाय किया जावे।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने आदिवासी कलाकारों संग किया पारंपरिक नृत्य

गुना/बमोरी(आरएनएस)। आज गुना जिले के बमौरी विधानसभा में आयोजित सर्वसमाज होली मिलन एवं फाग महोत्सव में केंद्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया,जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत,महेंद्र सिंह सिसोदिया पूर्व मंत्री ने आदिवासी समुदाय के कलाकारों के साथ उनका पारंपरिक नृत्य का आनंद लिया।

स्कूल चलें हम अभियान के तहत मंत्री सुश्री भूरिया ने बच्चों को तिलक और पुष्प-माला पहनाकर शाला प्रवेश करवाया

झाबुआ (आरएनएस)। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने झाबुआ जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय देवझिरी पंडा में स्कूल चलें हम अभियान के तहत बच्चों को तिलक लगाकर और पुष्प-माला पहनाकर शाला प्रवेश करवाया। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और हमें उन्हें बेहतर शिक्षा देकर एक सशक्त नागरिक बनाने की जिम्मेदारी उठानी होगी। सुश्री भूरिया ने कहा कि स्कूल चलें हम अभियान से न केवल बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव भी मजबूत हुई है। उन्होंने विद्यालय की दीवारों पर बच्चों के जनरल नॉलेज को बढ़ाने वाले चित्र एवं भारत का नक्शा अंकित करने के निर्देश दिये। मंत्री सुश्री भूरिया ने बच्चों के साथ मध्यान्ह भोजन किया और व्यवस्थाओं की सराहना की। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीणा ने बच्चों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नियमित अध्ययन और अनुशासन से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालय में टॉपर्स की सूची नोटिस-बोर्ड में लगायी जाये, जिससे विद्यार्थी प्रेरित हो सकें।

इस अवसर पर कक्षा-1 से 8 तक के विद्यार्थियों को एनसीईआरटी की पाठ्य-पुस्तकें, स्कूल बैग एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित की गयी।

योगा कुलम बिल्डिंग विवाद में फायरिंग

छतरपुर (आरएनएस)। एक बिल्डिंग को लेकर दो पक्षों में बहस के दौरान फायरिंग हो गई। घटना के बाद सोमवार शाम इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोगों की सूचना पर पुलिस ने मौके से एक फायर का खोखा बरामद किया है। एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है। मामला रेडियो कॉलोनी के पास स्थित योगा कुलम बिल्डिंग का है। बताया गया कि संजू यादव की इस बिल्डिंग को उनके परिवार ने बिना उनकी सहमति के पुष्पेंद्र पटेल को बेच दिया था। संजू यादव ने न्यायालय में याचिका दायर की थी, जो अभी विचाराधीन है।

सोमवार शाम को पुष्पेंद्र पटेल अपने साथियों के साथ बिल्डिंग पर पहुंचे। वहां संजू यादव के परिवार की एक महिला से उनकी बहस हो गई। पटेल के साथ किसी व्यक्ति ने फायरिंग कर दी।

इस मामले में सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने बताया एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद मामला दर्ज किया जाएगा।

जबलपुर में बैंक कर्मचारी दंपती लापता, जीजा ने दर्ज कराई शिकायत, मानसिक तनाव में था आनंद

जबलपुर (आरएनएस)। जबलपुर के निजी बैंक में कार्यरत आनंद दुबे और उनकी पत्नी निभा रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गए हैं. आनंद के जीजा विनोद द्वारा आधारताल थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है. परिजनों के अनुसार, शादी के बाद से ही आनंद मानसिक तनाव में था और दंपती के बीच विवाद की स्थिति बनी हुई थी.

पति ने वीडियो बनाकर लगाया था पत्नी पर आरोप

परिवार ने कई बार समझाने का प्रयास किया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला. आनंद कटंगी थाना क्षेत्र के कुश्ली गांव का रहने वाला है, जबकि उसकी पत्नी निभा भी वहीं की निवासी है. पिछले दिनों आनंद ने एक वीडियो बनाया था, जिसमें वह रोते हुए अपनी पत्नी से प्रताड़ित होने की बात कह रहा है.

करीब चार मिनट के वीडियो में आनंद अपना दर्द बयां कर रहा है. एक बाइक के पीछे बैठकर खुदका वीडियो बनाया था. जिसमें वो कहता कि मैं अपनी पत्नी को बहुत चाहता हूं. पर वो मुझसे हर एक छोटी-छोटी बात पर लड़ाई करती है. जिद्द करती है. मेरा वीडियो बनाती है, बात-बात पर. फिर ये भी कहती है, तुम्हें फंसा दूंगी. वीडियो के शुरूआत में आनंद ये आरोप भी लगाता है कि घरेलू हिंसा की शिकार सिर्फ लड़कियां नहीं, लड़के भी हैं.

कई तरह की आंशकाएं चल रहीं

वीडियो वायरल होने के बाद उसकी पत्नी भी अचानक गायब हो गई. थाना प्रभारी राजकुमार खटीक ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है, और पुलिस यह जांच कर रही है कि आनंद ने स्वयं मोबाइल बंद किया है या फिर किसी अप्रिय घटना का शिकार हो गया हैं. पुलिस टीम उनकी तलाश में जुटी हुई है.

ट्राली में भरी गेहूं की फसल जली

दमो(आरएनएस)। जिले के मोहड़ गांव में सोमवार सुबह करीब 11 बजे एक किसान की गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। किसान राकेश सेन खेत से गेहूं की कटाई के बाद फसल को ट्राली में भरकर घर ले जा रहे थे। रास्ते में एक ट्रांसफॉर्मर के पास बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट हुआ। इससे निकली चिनगारी ट्राली में भरी फसल पर गिर गई। कुछ ही देर में फसल से धुआं निकलने लगा। आसपास मौजूद लोगों ने ट्रैक्टर चालक को सूचना दी। गांव के लोगों ने कुप्पों में पानी भरकर आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था। ट्रैक्टर चालक महेंद्र लोधी ने तत्काल सूझबूझ दिखाते हुए ट्राली को एक स्थान पर ले जाकर फसल को पलट दिया। इससे आग का गांव तक फैलना रुक गया।

किसान राकेश सेन के अनुसार, इस हादसे में उनकी करीब एक लाख रुपए की फसल जलकर नष्ट हो गई। ट्रैक्टर चालक लोधी की सतर्कता से कोई जनहानि नहीं हुई और गांव में आग नहीं फैल पाई।

वन क्षेत्र भोजपुर से 2 टाइगर्स को रेस्क्यू कर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेजा गया

ग्रामवासियों की माँग पर टाइगर्स को किया गया रेस्क्यू

ओबेदुल्लागंज(ए.)। मुख्य वन संरक्षक भोपाल वृत्त के मार्गदर्शन एवं वन मण्डल अधिकारी ओबेदुल्लागंज के नेतृत्व में परिक्षेत्र चिकलोद के स्टॉफ द्वारा सोमवार को ग्रामवासियों की माँग पर टाइगर्स को पकड़ने के लिये पिंजरे लगाये गये। वन विहार भोपाल एवं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की रेस्क्यू टीम, पशु चिकित्सकों एवं स्थानीय प्रशासन और पुलिस के सहयोग से दोनों टाइगर्स का सफल रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू के उपरांत दोनों टाइगर्स का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित ढंग से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेजा गया।भोजपुर से लगे हुए वन क्षेत्र बीट भोजपुर में भोजपुर-ईमलिया मार्ग पर दो टाइगर्स का लगातार विचरण विगत एक माह से बना हुआ था। इन टाइगर्स द्वारा 5 मवेशियों का शिकार किया गया था। टाइगर के विचरण के कारण ग्रामीण असुरक्षित महसूस कर रहे थे। टाइगर्स का खेतों में विचरण होने से ग्रामीण फसलें नहीं काट पा रहे थे। खेतों एवं वन क्षेत्र के मध्य से जो रास्ता निकलता है, वह ग्रामीणों का मुख्य मार्ग है, जिससे ग्रामीणों का भोजपुर, मण्डीदीप और बंगरसिया आना-जाना लगा रहता है।

व्यापार समाचार

केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया नई दिल्ली में ईपीएफओ की मल्टी बैंकिंग सेंट्रलाइड कलेक्शन सिस्टम के विस्तार की घोषणा के दौरान अन्य प्रतिनिधियों के साथ.

ओपनएआई ने जुटाई 3,400 अरब रुपये की नई फंडिंग, 25,000 अरब हुआ कंपनी का मूल्यांकन

नईदिल्ली,(आरएनएस)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी ओपनएआई ने 300 अरब डॉलर (लगभग 25,600 अरब रुपये) के मूल्यांकन पर 40 अरब डॉलर (लगभग 3,400 अरब रुपये) की फंडिंग जुटाई है।

यह अब तक का सबसे बड़ा एआई निवेश माना जा रहा है। इस निवेश से कंपनी का मूल्य अक्टूबर में 157 अरब डॉलर (लगभग 13,400 अरब रुपये) के पिछले मूल्यांकन से लगभग दोगुना हो गया। चैटजीपीटी के निर्माता ने इस फंडिंग को पूरा कर लिया है, जिसमें सॉफ्टबैंक और अन्य निवेशक शामिल हैं।ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि हर हफ्ते करोड़ों लोग चैटजीपीटी का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह निवेश एआई को और अधिक उपयोगी बनाने में मदद करेगा।फंडिंग सौदे में सॉफ्टबैंक मुख्य निवेशक है, जिसने शुरुआत में 7.5 अरब डॉलर (लगभग 640 अरब रुपये) और अन्य निवेशकों के साथ मिलकर 2.5 अरब डॉलर (लगभग 210 अरब रुपये) का निवेश किया है। माइक्रोसॉफ्ट, कोट्यू मैनेजमेंट, अल्टीमीटर और थ्राइव कैपिटल भी इस फंडिंग में शामिल हैं।

फिक्स्ड डिपॉजिट निवेशकों के लिए खुशखबरी! आज से एफडी ब्याज आय पर टीडीएस सीमा बढ़ी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। फिक्स्ड डिपॉजिट निवेशकों को संशोधित स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) नियमों से लाभ होगा, जो आज से लागू हो गई हैं. आज से निवेशकों के लिए एफडी ब्याज दरों पर टीडीएस छूट की सीमा अधिक होगी. अब तक फिक्स्ड डिपॉजिट योजनाओं से मिले ब्याज पर टीडीएस में कटौती की जाती थी, अगर यह 40,000 रुपये (वरिष्ठ नागरिकों के लिए 50,000 रुपये) से अधिक था. लेकिन केंद्रीय बजट 2025 में एफडी योजनाओं पर टीडीएस छूट की सीमा बढ़ा दी गई.

एफडी योजनाओं पर टीडीएस छूट की सीमा व्यक्तियों के लिए 40,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दी गई है. वरिष्ठ नागरिकों के लिए कर कटौती की सीमा 50,000 रुपये से बढ़ाकर 1,00,000 रुपये कर दी गई है. एफडी की मूल राशि से कोई टीडीएस नहीं काटा जाता, चाहे उसकी राशि कितनी भी हो. हालांकि, अगर कोई व्यक्ति अपनी एफडी की मूल राशि पर 50,000 रुपये से अधिक ब्याज कमाता है, तो ब्याज टैक्स कटौती के अधीन होगा. बैंक 50,000 रुपये (वरिष्ठ नागरिकों के लिए 1 लाख रुपये) से अधिक की एफडी ब्याज पर 10 फीसदी की फ्लैट दर से टीडीएस काटते हैं. अगर निवेशक ने पैन कार्ड डिटेल्स देता है. अगर व्यक्ति ने कोई पैन कार्ड डिटेल्स नहीं दिया है, तो एफडी ब्याज आय पर टीडीएस बढ़कर 20 फीसदी हो जाता है. ज्वाइंट एफडी के लिए प्राथमिक निवेशक के नाम पर टीडीएस काटा जाता है. टैक्स बचत एफडी निवेश, जो आम तौर पर 5 5 साल की अवधि के लिए किया जाता है. नियमों के आधार पर कर कटौती को भी आकर्षित करता है. टीडीएस राशि व्यक्ति की कुल आय में जोड़ी जाएगी, और यदि यह अभी भी कर योग्य सीमा से कम है, तो काटे गए टीडीएस का दावा किया जा सकता है और इसकी रीइंबर्समेंट की जाएगी. एफडी योजनाओं के अलावा, बढ़ी हुई टीडीएस सीमा सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजनाओं में निवेश से होने वाली आय पर भी लागू होती है.

रेड जोन में खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 457 अंक टूटा, निफ्टी 23,428 पर

मुंबई, (आरएनएस)। कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ रेड जोन में खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 457 अंकों की गिरावट के साथ 76,957.69 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.39 फीसदी की गिरावट के साथ 23,428.45 पर खुला.

आज के कारोबार के दौरान वरुण बेवरेजेज, वेदांता, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, फेडरल बैंक, ब्रिगेड एंटरप्राइजेज, एस्टेक लाइफसाइंसेज, बजाज इलेक्ट्रिकल्स, मैनकाइंड फार्मा, आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया, एसीसी, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, डीसीएम श्रीराम, शीला फोम और डालमिया भारत के शेयर फोकस में रहेंगे.कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शेयर बाजार रेड जोन में बंद हुआ. बीएसई पर सेंसेक्स 191 अंकों की गिरावट के साथ 77,414.92 पर क्लोज हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.38 फीसदी की गिरावट के साथ 23,501.55 पर बंद हुआ. आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स पर कोटक महिंद्रा बैंक, एचयूएल, टाटा मोटर्स, नेस्ले, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर टॉप गेनर के लिस्ट में शामिल रहे. जबकि इंडसइंड बैंक, एमएंडएम, पावर ग्रिड कॉर्प, मारुति सुजुकी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर टॉप लूजर के लिस्ट में शामिल रहे.

SHARE BAZAR में हाहाकार 1400 अंक टूटा सेंसेक्स, निवेशकों के डूबे 3.50 लाख करोड़

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। बाजार में चौतरफा बिकवाली देखने को मिली। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1,390.40 अंक या 1.80 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,024.51 और निफ्टी 353.65 अंक या 1.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,165.70 पर था।लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में बिकवाली देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 442.65 अंक या 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 51,229.60 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 112.75 अंक या 0.70 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 15,982.95 पर था। खास बात तो ये है कि बीएसई के मार्केट कैप में 3.50 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली।बाजार में गिरावट की वजह 2 अप्रैल से अमेरिका द्वारा अपने ट्रेडिंग पार्टनर देशों पर लगाए जाने वाले पारस्परिक टैरिफ को माना जा रहा है।सेक्टोरल आधार पर ऑटो, आईटी, एफएमसीजी, मेटल, रियल्टी, पीएसयू बैंक, एनर्जी, प्राइवेट बैंक और इन्फ्रा इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। केवल मीडिया इंडेक्स ही हरे निशान में बंद हुआ।सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा, एलएंडटी, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, टीसीएस और एक्सिस बैंक टॉप गेनर्स थे। केवल इंडसइंड बैंक और जोमैटो टॉप लूजर्स थे। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड में रिसर्च प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अमेरिका द्वारा पारस्परिक टैरिफ की घोषणा से पहले वैश्विक अस्थिरता के बीच, घरेलू बाजार में आज भारी बिकवाली देखी गई। निवेशक इन टैरिफ की बारीकियों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, साथ ही संभावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के लिए चल रही बातचीत पर भी कड़ी नजर रख रहे हैंबड़ी गिरावट के बाद भी व्यापक बाजार का रुझान सकारात्मक था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 2709 शेयर हरे निशान में, 1,343 शेयर लाल निशान में और 143 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। सुबह 9:21 पर सेंसेक्स 326 अंक या 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,088 और निफ्टी 64 अंक या 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,454 पर था।

सरकार ने दे दी बड़ी राहत... वोडाफोन आइडिया के शेयर में लगा 10 प्रतिशत का अपर सर्किट

मुंबई (आरएनएस)। संकटग्रस्त दूरसंचार ऑपरेटर वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआई) के शेयरों में 1 अप्रैल को शुरुआती सत्र के दौरान 10 फीसदी की उछाल आई. जब कंपनी ने घोषणा की कि केंद्र सरकार उसके बकाया स्पेक्ट्रम बकाये को इक्विटी शेयरों में बदल देगी. इसके अलावा इंडस टावर्स के शेयरों में भी 7 फीसदी की उछाल आई.

वीआई 10 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर 3,695 करोड़ इक्विटी शेयर जारी करेगी, जिससे बकाया राशि 36,950 करोड़ रुपये के स्टॉक में बदल जाएगी. हालांकि, वोडाफोन आइडिया के शेयरों का आखिरी बंद भाव 6.8 रुपये प्रति शेयर था.

इक्विटी शेयरों के कन्वर्जन के बाद वोडाफोन आइडिया में भारत सरकार की हिस्सेदारी 22.6 फीसदी से बढ़कर 48.99 फीसदी हो जाएगी. फर्म ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि प्रवर्तकों के पास कंपनी का परिचालन नियंत्रण बना रहेगा. दूरसंचार ऑपरेटर के अनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुपालन में, पिछले 90 कारोबारी दिनों या रेलीवेंट डेट (26 फरवरी, 2025) से पहले के 10 दिनों के वॉल्यूम-भारित औसत मूल्य के आधार पर निर्गम मूल्य निर्धारित किया गया था.

वोडाफोन आइडिया ने एक प्रेस बयान में कहा कि संचार मंत्रालय ने 29 मार्च, 2025 को एक आदेश जारी किया था, जिसमें सितंबर 2021 के दूरसंचार सुधार पैकेज के अनुरूप कन्वर्जन को मंजूरी दी गई थी. कंपनी को यह आदेश 30 मार्च को मिला.

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

मोदी सरकार की ऐतिहासिक पहल

केंद्र सरकार ने एक महत्त्वपूर्ण फैसला के तहत एल्युमीनियम फॉयल सहित पांच चीनी वस्तुओं पर एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाया है। बताया जा रहा है कि यह निर्णय घरेलू उद्योगों को चीन से सस्ते आयात के निगेटिव असर से बचाने के लिए की गई है। वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा डीजीटीआर (व्यापार उपचार महानिदेशालय) की सिफारिश के आधार पर व्यापार कार्रवाई की गई है। डीजीटीआर डंपिंग और सब्सिडी जैसे मामलों की जांच करती है।

दरअसल, एंटी-डंपिंग ड्यूटी आयातित वस्तुओं पर लगाए जाने वाले टैक्स हैं, जो उनके निर्यात मूल्य और उनके सामान्य मूल्य के बीच के अंतर की भरपाई के लिए लगाए जाते हैं, अगर डंपिंग के कारण आयात करने वाले देश में प्रतिस्पर्धी उत्पादों के उत्पादकों को नुकसान होता है।

केंद्र सरकार के संज्ञान में यह बात लंबे अरसे से थी कि चीन भारत के घरेलू उद्योग को बर्बाद करने की साजिश में लगा हुआ है। आखिरकार सरकार को यह कदम उठाना पड़ा। स्वाभाविक तौर पर सरकार के इस फैसले से भारतीय उद्योगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

सरकार को भी यह भरोसा है कि ऐसी सख्ती से भारतीय उद्योगों को मदद मिलेगी। इससे वे चीन से आने वाले सस्ते आयात से मुकाबला कर पाएंगे। भारत ने पहले ही चीन सहित विभिन्न देशों से सस्ते आयात से निपटने के लिए कई उत्पादों पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाया है। इन सब तथ्यों से इतना तो साफ होता है कि चीन की नीयत में खोट है।

वह भारत से मिलने वाली तमाम रियायतों और सुविधाओं को दरकिनार कर उसी का नुकसान पहुंचाने की जुगत में लगी रहती है। हो सकता है इस कदम के बाद चीन इस बात की संवेदनशीलता को समझेगा। ऐसे भी भारत के बाजार पर चीन के सामानों की बहुतायत है।

कोई भी त्योहार मसलन दीपावली हो या होली; चीन किफायती कीमत के उत्पाद भारत में भेजता है। उसके इस कदम से भारत में काम कर रहीं कंपनियों की सेहत पर काफी बुरा प्रभाव पड़ता है। निश्चित तौर पर केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के फैसले की सराहना की जानी चाहिए।

घरेलू उद्योगों को जीवनदान देने के लिए यह एहतियाती कदम उठाना लाजिमी था। इस बात में कोई शक नहीं कि चीन सिर्फ अपना फायदा देखता है। उसके शब्दकोष में न तो संवेदना की जगह है और न नैतिकता की। इस नाते मोदी सरकार की यह पहल ऐतिहासिक मानी जाएगी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने मुंबई के राजभवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

किसानों के धरने के कारण नुकसान

अवधेश कुमार

दिल्ली में 2020-21 में कृषि कानून के विरुद्ध किसानों के नाम पर दिए जाने वाले धरना और आंदोलन के दौरान मिले राजनीतिक समर्थनों को देखते हुए किसान नेताओं को शायद ही उम्मीद रही होगी कि आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार सीमा से उनके तंबू वगैरह उखाड़ कर भागने को विवश कर देगी।

पंजाब के शंभू बोर्डर व खनौरी बॉर्डर पर 13 फरवरी, 2024 यानी कुल 13 महीने से धरने पर बैठे किसान नेताओं का सारा लाव-लश्कर भगवंत मान सरकर ने समाप्त कर दिया।

बुलडोजर एवं जेसीबी एक्शन की लाइव तस्वीरें पूरा देश देख रहा था, जिनमें मंच ढाए जा रहे थे, ट्यूबलाइट, पंखे, टीन की चादरें उखड़ रही थी। प्रशासन की पूरी कार्रवाई सुनियोजित थी। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर शंभू अंबाला और संगरूर जींद मार्ग से कंक्रीट के अवरोध को हटाने के लिए जेसीबी और अन्य मशीनों की मदद ली गई।

हरियाणा की प्रशासनिक मशीनरी ने भी पंजाब से लगी राज्य की सीमा पर सीमेंट के ब्लॉक, लोहे की कीलें और कंटीले तारों की मदद से अवरोधक लगाए थे ताकि 'दिल्ली चलो' कार्यक्रम के अंतर्गत पंजाब से किसान संगठनों को राजधानी की ओर न बढ़ने दिया जाए। किसानों के नाम पर बने नेताओं को आभास होना चाहिए था कि वो जो कुछ कर रहे हैं उसे सरकार और प्रशासन ही नहीं जनता के बीच भी समर्थन नहीं है। ऐसा होता तो उनके पक्ष में कोई बड़ा प्रदर्शन कम से कम पंजाब और हरियाणा में अवश्य दिखाई देता।

पिछले कई दिनों से लग रहा था कि मुख्यमंत्री भगवंत मान इनसे नाखुश हैं और इन्हें बला मानकर टालना चाहते हैं। यानी कार्रवाई कभी भी हो सकती है। किसान संगठनों के नेताओं ने निश्चय ही सरकार के विरोध किए जाने की कोशिश की होगी। कार्रवाई के बावजूद कांग्रेस और अकाली दल जैसी पार्टियों के अलावा देश के अन्य भागों को छोड़िए पंजाब हरियाणा में ही कहीं कोई विरोध प्रदर्शन नहीं हुआ। जगजीत सिंह

दल्लेवाल और सरवन सिंह पंढेर को भी पंजाब पुलिस ने हिरासत में लिया।

बावजूद उनके समर्थन में शक्तिशाली आवाज नहीं आई। यह बताता है कि किसानों के नाम पर नेता बन उनके हक की लड़ाई की बात करने वालों का किसानों से कितना संपर्क और संवाद है। जिन लोगों ने 2020 के अंतिम समय से कृषि कानून के विरु द्ध आंदोलन पर दृष्टि रखी उन्हें पता था कि इसके पीछे कुछ किसान संगठनों के साथ वो सारे समूह, शक्तियां, एनजीओ, थिंक टैंक, एक्टिविस्ट, बुद्धिजीवी, पत्रकार नेता सब हैं, जो प्रधानमंत्री मोदी सरकार को सत्ता से हटाने चाहते हैं।नागरिकता संशोधन कानून के विरुद्ध आरंभ शाहीन बाग धरना से आंदोलन के एक ऐसे दौर की शुरुआत हुई जो लोकतंत्र के अंदर परंपरागत अहिंसक आंदोलन के स्वरूप और आदर्शों से परे थे। कृषि कानून विरोधी आंदोलन उसका दूसरा विस्तार रूप था जिसमें 26 जनवरी, 2021 को लाल किले पर चढ़कर हंगामा करने और बड़ी संख्या में पुलिस जवानों को धकिया कर घायल करने वाली घटना शामिल थी। इन सबके बावजूद किसी को करवाई का सामना नहीं करना पड़ा तथा अंततः मोदी सरकार ने कानून वापस ले लिया।

इस कारण अपनी ताकत और प्रभाव के संदर्भ में इनको गलतफहमी हुई एवं हौसला बढ़ा। दिल्ली और शाहीनबाग की तरह ही यहां भी करीब 400 दिनों तक सीमा पर प्रदर्शनकारियों ने एक बसावट ही तैयार कर लिया था। प्रतिदिन की आवश्यकताओं को लेकर लगभग ढाई किलोमीटर तक अस्थाई व्यवस्था थी जिनमें आवास से लेकर कार्यालय, शौचालय, भंडार, रसोई, लंगर सब थे। ऐसा लगता ही नहीं था कि यह प्रदर्शन या आंदोलन है।हालांकि इसे किसान संगठनों का ही पूर्व की तरह समर्थन नहीं मिला और केवल पंजाब तथा हरियाणा के कुछ संगठनों तक सीमित था। इसे न समझ कर इन लोगों ने हठधर्मिता अपनायी तथा केंद्र सरकार के प्रस्तावों को नकारा। पंजाब ठीक उसी तरह की दुर्दशा में पहुंच रहा था जैसे घेरेबंदी के कारण दिल्ली और आसपास के उद्योग, कारोबार और रोजगार। पंजाब में पिछले 13 महीना में कारोबार को 10 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है। व्यापारी और उद्योगपति सरकार से बॉर्डर खोलने की लगातार मांग कर रहे थे। लुधियाना पश्चिम सीट पर उपचुनाव है और यहां औद्योगिक इकाइयों में ताला पड़ा है तथा धंधा लगभग ठप है। लोगों के आवागमन पर बुरा असर है। बॉर्डर पर अवरोधकों के कारण लोगों को काफी दूरी घूम कर छोटे रास्तों का इस्तेमाल करना पड़ रहा था जिससे पूरा इलाका प्रभावित था। पिछले दिनों जब मुख्यमंत्री भगवंत मान इनसे मिलने गए थे तो उद्देश्य इनको आगाह करना ही था। भगवंत मान मिलकर बाहर आए तो कहा कि मुझे पंजाब के सभी वर्गों की चिंता करनी है। इस धरने के कारण पंजाब को बहुत नुकसान हो रहा है, हमारे राज्य में निवेश नहीं आ रहा, अर्थव्यवस्था कमजोर हो रही है, आवागमन बाधित होने से पूरी आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हो रही है, आम लोगों को भी दिक्कतें हो रही हैं। भगवंत मान ने किसान नेताओं के सामने सारी बातें की लेकिन वे टस से मस नहीं हुए। उल्टे जैसा भगवंत मान ने बताया उन्होंने कहा कि आप हमारे पास डर से ही आए हो? मुख्यमंत्री को कुछ लोग धरना देकर कहें कि सरकार हमसे डर रही है तो इससे बड़ी नासमझी का दूसरा कोई प्रमाण नहीं हो सकता। भगवंत मान ने उसी दिन कहा कि मैंने उन्हें बताया कि मैं डर से नहीं आया हूं, मैं डरने वाला नहीं हूं, मैं कोई भी कार्रवाई कर सकता हूं।

पर्वत पुरुष ने जीवन-भर अपने दिल से दूसरों के हित को ऊपर समझा

भारत डोगरा

दशरथ मांझी ने जीवन जीने की ऐसी राह दिखाई जो अपने त्याग के बल पर आसपास के सभी लोगों, अपने और अनेक गांवों के लोगों की भलाई पर आधारित थी। पर्वत पुरुष के रूप से पहचान बनाने वाले इस महादलित समुदाय के महापुरुष ने सबसे निर्धन भूमिहीन परिवार में जन्म लेने के बावजूद ऐसे कार्य किए जिनसे आज तक अनेक जाने-माने व्यक्ति तो उनका सम्मान करते ही हैं, राज्य के वर्तमान मुख्यमंत्री और देश के पूर्व प्रधानमंत्री तक उनकी प्रशंसा कर चुके हैं। गांव के मौजूदा मुखिया कहते हैं कि दशरथ मांझी ने वि के मानचित्र पर इस उपेक्षित क्षेत्र की उपस्थिति दर्ज करवा दी। दशरथ ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने जीवन-भर अपने दिल से दूसरों के हित को ऊपर समझा और व्यापक जन-हित के लिए कुछ करने की ठान ली तो फिर उसके लिए आश्चर्यजनक दृढ़-निश्चय से कार्य किया। गया जिले (बिहार) में स्थित उनके गेहलौर गांव (प्रखंड मोहरा) में एक ऊंचा, विकट पहाड़ है, जिसके कारण सबसे नजदीक के शहर की सुविधाओं, अस्पताल, स्कूल, रोजगार-स्थल से संपर्क नहीं हो पाता था और कोई 15 किमी. की दूरी 55 किमी. के लंबे रास्ते से पार करनी पड़ती थी। इसी पहाड़ पर किसी आजीविका अर्जन के लिए गए दशरथ को खाना-पानी देने उनकी पत्नी फाल्गुनी देवी गई तो विकट पहाड़ पर गिर कर घायल हो गई। अपने स्वभाव के अनुकूल सबके दर्द को अपनाने वाले दशरथ पत्नी की पीड़ा से कैसे आहत न होते और इसी स्थिति में उन्होंने दृढ़ निश्चय किया कि पहाड़ को तोड़ कर ऐसी राह निकालेंगे जिससे गांववासी दूसरी पार की सुविधाओं तक पंहुच सकें। तभी से हथौड़ा-छेनी लेकर पहाड़ तोड़ने में लग गए और 22 वर्षों तक 1960 से 1982 तक इस काम में लगे रहे और अंत में सफलता प्राप्त की। 26 वर्ष में यह कार्य आरंभ कर 48 वर्ष की आयु में पूर्ण किया। पहले तो आसपास के लोगों ने उनका मजाक उड़ाया पर जैसे-जैसे वे सफलता के नजदीक पहुंचे तो उन्होंने कुछ सहायता भी की। सफलता मिलने के बाद दशरथ मांझी के बनाए रास्ते को सरकार ने कुछ और चौड़ा कर दिया और धीरे-धीरे यह सामान्य सड़क बन गई। दशरथ मांझी के कार्य को समझने के लिए जरूरी है कि वे संत कबीर के प्रति बहुत आस्थावान थे। उनके विचारों से प्रेरित वे दूसरों की भलाई के लिए प्रयासरत रहे। जब यह लेखक उन्हें जानने-पहचानने वाले कुछ आसपास के गांववासियों से मिला, तो उन्होंने बताया कि वे मीठी भाषा बोलते थे पर इसमें कभी-कभी कठोर सच्चाई भी कह जाते थे। इन लोगों ने बताया कि वे जब वहां से गुजरते तो हथौड़े-छेनी से पहाड़ तोड़ने के काम में मांझी को तल्लीन देखते। इसके साथ-साथ वे मजदूरी कर अपने चार सदस्यों के परिवार का भरण-पोषण भी करते थे। अपनी जरूरतों को न्यूनतम रखते थे। भूख-प्यास दूर रखने के लिए खिचड़ी और सत्तू उन्हें प्रिय थे। सत्तू तथा पानी साथ रखते थे। पहाड़ में राह निकालने की सफलता प्राप्त करने के बाद भी वे गांववासियों की भलाई के लिए सक्रिय रहे और रेल पटरी के किनारे चल कर दिल्ली पहुंच गए। उस समय की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से मिले, और बाद में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिले। बहुत बड़े नेताओं का सम्मान उन्हें मिला। वर्ष 2007 में दिल्ली के एम्स अस्पताल में मृत्यु होने पर उनके गांव में उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान से हुआ, उनकी समाधि बनाई गई, उनकी याद में प्रवेश द्वार बनाए गए। पर हाल में यह लेखक जब गेहलौर पंचायत की सबसे निर्धन बस्तियों में गया और मांझी समुदाय के अनेक परिवारों से बातचीत की तो उसने देखा-सुना कि ये परिवार दूर-दूर की ईंट-भट्ठों में प्रवासी मजदूर के रूप में जाते हैं। शोषण की स्थिति में प्रवासी मजदूरी करने को मजबूर हैं क्योंकि स्थानीय स्तर पर रोजगार बहुत ही कम हैं। पेयजल का घोर संकट भी उनकी बस्तियों में है। कुछ बस्तियों के लोगों को पुराने जमींदारों के वंशज यह कह कर धमकाते हैं कि यह उनकी जमीन है। यहां से हट जाओ और उनसे पैसा वसूलते हैं। ऐसे अनेक महादलित परिवारों को वन-विभाग हटने को कहता है। हाईवे चौड़ा होने से विस्थापन का खतरा है और सबसे निर्धन परिवारों को डर है कि सभी कागज-पत्र न होने पर उन्हें ठीक से अन्य स्थान पर बसाया नहीं जाएगा। बिजली के भारी बिल कुछ परिवारों को भेजे गए हैं। कुल मिला कर ऐसे अनेक परिवारों, जो नाती-रिश्तेदारी में दशरथ मांझी से जुड़े हैं, से बातचीत करने पर स्पष्ट हुआ कि वे बहुत कठिन स्थिति में जी रहे हैं और यह स्थिति आगे और भी विकट हो सकती है।दूसरी ओर, इस विकट स्थिति के बीच राहत दिलवाने का कार्य इस पंचायत में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की सम्मान परियोजना के अंतर्गत किया गया है। इसका क्रियान्वयन सहभागी शिक्षण केंद्र के कर्मठ कार्यकर्ताओं की सहायता से किया गया है। इसके अंतर्गत बकरी-पालन और सिलाई प्रशिक्षण देकर रोजगारों को बढ़ाने, मातृत्व सुरक्षा, स्कूलों और आंगनवाड़ी के सुधार, स्कूल-पूर्व शिक्षा के विस्तार, प्रकाश और पानी की कुछ स्थानों पर बेहतर व्यवस्था, पोषण और स्वास्थ्य सुधार के महत्त्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। दशरथ मांझी स्वास्थ्य और शिक्षा सुधार के लिए और बेहतर आजीविकाओं के लिए प्रतिबद्ध रहे और यह कार्य उनकी चाह के अनुसार है। कम समय में ही इस परियोजना ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की और निर्धन परिवारों सहित गांव समुदाय का विास भी प्राप्त किया।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपके कोर्ट-कचहरी के मामले कुछ समय के लिए रुक सकते हैं, लेकिन समय रहते सब ठीक होगा। आज आप जो भी व्यापार शुरू करेंगे, उसमें सफलता हासिल होगी। आज कार्यों में आपको किसी दोस्त का सहयोग मिलेगा। आप नया कारोबार करने की सोच रहे हैं तो किसी अनुभवी की सलाह जरूर लें। मां ब्रह्मचारिणी के सामने कपूर जलाए, परिवार के लोग आपकी बातों से सहमत रहेंगे।

वृष राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी एक्सपर्ट की सलाह जरूर ले। छात्र आज अपने करियर को लेकर नई योजना बनाएंगे, बच्चों को सही गाइडेंस की जरूरत है। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। मां दुर्गा को लौंग अर्पित करें, आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज जो भी काम शुरु करेंगे वो समय पर पूरा हो जायेगा। आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे, किसी भी अवसर को हाथ से जाने न दें। नया व्यापार शुरू करने में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। बच्चे आज आपसे अपने जरूरत का सामान लेन को कह सकते हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

कर्क राशि : आज आपका मन नई उमंगों से भरा रहेगा। ऑफिस के सहकर्मियों से आपका ताल मेल बना रहेगा। किसी विशेष व्यक्ति से आज आपकी बात हो सकती है। आज आपको आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा। आपको ईमानदार लोगों के साथ मेल-जोल बढ़ाने की जरूरत है। छोटे बच्चे आज बहुत खुश रहेंगे। छात्रों को आज सफलता मिलने के योग बने हुए है।

सिंह राशि : आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार से आपकी फोन पर देर तक बात होगी, किसी समस्या का समाधान मिलेगा। आज दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। महिलाएं आज ऑनलाइन नई डिश सीखने की कोशिश करेंगी। लेखकों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, उनके लेखन कार्यों की सराहना होगी। मां ब्रह्मचारिणी को लाल चुनरी चढाएं, जीवन में चल रही परेशानियां खत्म होगी।

कन्या राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। बेवजह शुरू हुई समस्याएं पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी। आज आपको ननिहाल पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा। आप विदेश में व्यापार करने की योजना बनाएंगे। आपकी सोशल मीडिया पर किसी से बात हो सकती है।

तुला राशि : आज आपका दिन खुशियां लेकर आया है। काम के मामलों में आप बेहद व्यावहारिक रहेंगे। आपके मन में बहुत दिनों से कारोबार को लेकर जो योजना चल रही थी, उस योजना पर काम शुरू करेंगे। आज आपकी मीठी वाणी आपके काम को जल्दी पूरा करवाने में मदद करेगी। नवविवाहित दंपति आज किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन के लिए जायेंगे।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन ज्यादा फायदा दिलाने वाला रहेगा। आपको दूसरों से प्रेरणा लेकर काम करने की जरूरत है। आज बोलने से ज्यादा आपको काम पर ध्यान देना चाहिए। आज आपको अपने माता पिता के साथ समय बिताना चाहिए। संयम और धैर्य के साथ ही आपको अपने कदम आगे बढ़ाने चाहिए। किसी रिश्तेदार से चलती आ रही अनबन आज खत्म हो जाएगी।

धनु राशि : आज आर्थिक तौर पर आपकी स्थिति मजबूत रहेगी। बिजनेस को बढ़ाने के लिए थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है। आज पड़ोसी आपसे किसी प्रकार की सहायता मांगेंगे। लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा। घर से बाहर रहकर जॉब कर रहे लोगों को आज अपने परिवार वालों से मिलने का मौका मिलेगा। पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आएगी। मां चंद्रघंटा का नाम ले कर नए कार्य की शुरूआत करें, सफलता मिलेगी।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। ऑफिस के किसी सहकर्मी के साथ आपकी दोस्ती होगी, जो लंबे समय तक चलेगी। आपको अपनी वाणी पर संयम रखने की जरूरत है। आज आपको बच्चों के स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखना चाहिए। छात्रों के लिये दिन अच्छा रहेगा। लवमेट के लिए आज का दिन खुशियों भरा रहने वाला है।

कुंभ राशि : आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। लोगों का भरोसा आप पर बना रहेगा। माता के आशीर्वाद से दांपत्य जीवन में खुशियां आएंगी। आपकी ईमानदारी से लोग प्रेरणा लेंगे। महिलाएं घर के काम से जल्द ही राहत पा लेंगी। कई दिनों से रुका हुआ पैसा आज वापस मिलेगा। बच्चों को उनके पढ़ाई में परिवार वालों का सहयोग मिलेगा। मां ब्रह्मचारिणी के आगे हाथ जोड़े, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मीन राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आप सोशल मीडिया के जरिए सामाजिक कार्यों में सहयोग देंगे। शिक्षकों की मदद से विद्यार्थियों का प्रोजेक्ट पूरा होगा। किस्मत का साथ आपको आर्थिक लाभदिलाएगा। पहले की गई मेहनत का आज अच्छा लाभ मिलेगा। परिवार वालों के साथ किसी धार्मिक कार्य में शामिल हो सकते हैं।

कृषि क्षेत्र में करवट बदलता भारत

प्रहलाद सबनानी

भारत में लगभग 60 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। जबकि, कृषि क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 प्रतिशत के आस पास बना हुआ है। इस प्रकार, भारत में यदि गरीबी को जड़ मूल से नष्ट करना है तो कृषि के क्षेत्र में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को लागू करना ही होगा। भारत ने हालांकि आर्थिक क्षेत्र में पर्याप्त सफलताएं अर्जित की हैं और भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा शीघ्र ही अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही, भारत आज विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, इसके आगे की राह अब कठिन है, क्योंकि केवल सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र के बल पर और अधिक तेज गति से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है और कृषि क्षेत्र में आर्थिक विकास की दर को बढ़ाना होगा।

भारत में हालांकि कृषि क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं और भारत आज कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया है। परंतु, अभी भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। किसानों के पास पूंजी का अभाव रहता था और वे बहुत ऊंची ब्याज दरों पर महाजनों से ऋण लेते थे और उनके जाल में जीवन भर के लिए फंस जाते थे, परंतु, आज इस समस्या को बहुत बड़ी हद्द तक हल किया जा सका है और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसान को आसान नियमों के अंतर्गत बैंकों से पर्याप्त ऋण की सुविधा उपलब्ध है और इस सुविधा का लाभ आज देश के करोड़ों किसान उठा रहे हैं। दूसरे, इसी संदर्भ में किसान सम्मान निधि योजना भी किसानों के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध हो रही है और इस योजना का लाभ भी करोड़ों किसानों को मिल रहा है। इससे किसानों की कृषि सम्बंधी बुनियादी समस्याओं को दूर करने के सफलता मिली है।भारतीय कृषि आज भी मानसून पर निर्भर है। देश के ग्रामीण इलाकों में सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। इस समस्या को हल करने के उद्देश्य से भारत सरकार प्रति बूंद अधिक फसल की रणनीति पर काम कर रही है एवं सूक्ष्म सिंचाई पर बल दिया जा रहा है ताकि कृषि के क्षेत्र में पानी के उपयोग को कम किया जा सके तथा जल संरक्षण के साथ सिंचाई की लागत भी कम हो सके।

देश में कृषि जोत हेतु पर्याप्त भूमि का अभाव है और देश में सीमांत एवं छोटे किसानों की संख्या करोड़ों की संख्या में हो गई है। जिससे यह किसान किसी तरह अपना और परिवार का भरण पोषण कर पा रहे हैं इनके लिए कृषि लाभ का माध्यम नहीं रह गया है। इन तरह की समस्याओं के हल हेतु अब केंद्र सरकार विभिन्न उत्पादों के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य में, मुद्रा स्फीति को ध्यान में रखकर, वृद्धि करती रहती है, इससे किसानों को अत्यधिक लाभ हो रहा है। भंडारण सुविधाओं (गोदामों एवं कोल्ड स्टोरेज का निर्माण) में पर्याप्त वृद्धि दर्ज हुई है एवं साथ ही परिवहन सुविधाओं में सुधार के चलते किसान कृषि उत्पादों को लाभ की दर पर बेचने में सफल हो रहे है अन्यथा इन सुविधाओं में कमी के चलते किसान अपने कृषि उत्पादों को बाजार में बहुत सस्ते दामों पर बेचने पर मजबूर हुआ करता था। खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना भारी मात्रा में की जा रही है इससे कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिल रहा है एवं कृषि उत्पादों की बर्बादी को रोकने में सफलता मिल रही है।

आज भारत में उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि उर्वरकों के उपयोग की आवश्यकता कम हो एवं कृषि उत्पादकता बढ़े। इस संदर्भ में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भी किसानों की मदद कर रही है इससे किसान कृषि भूमि पर मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर कृषि उत्पाद कर रहे हैं। राष्ट्रीय कृषि बाजार को स्थापित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि किसान सीधे ही उपभोक्ता को उचित दामों पर अपनी फसल को बेच सके।

साथ ही, कृषि फसल बीमा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि देश में सूखे, अधिक वर्षा, चक्रवात, अतिवृष्टि, अग्नि आदि जैसी प्रकृतिक आपदाओं के चलते प्रभावित हुई फसल के नुक्सान से किसानों को बचाया जा सके। आज करोड़ों की संख्या में किसान फसल बीमा योजना का लाभ उठा रहे हैं।

देश में खेती किसानी का काम पूरे वर्ष भर तो रहता नहीं है अत: किसानों के लिए अतिरिक्त आय के साधन निर्मित करने के उद्देश्य से डेयरी, पशुपालन, मधु मक्खी पालन, पोल्ट्री, मत्स्य पालन आदि कृषि सहायक क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसानों को अतिरिक्त आय की सुविधा मिल सके। विश्व के विभिन्न देशों ने अपनी आर्थिक प्रगति के प्रारम्भिक चरण में कृषि क्षेत्र का ही सहारा लिया है। औद्योगिक क्रांति तो बहुत बाद में आती है इसके पूर्व कृषि क्षेत्र को विकसित अवस्था में पहुंचाना होता है। भारत में भी आज कृषि क्षेत्र, देश की अर्थव्यवस्था का आधार है, जो न केवल खाद्य सुरक्षा प्रदान करता है बल्कि करोड़ों नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर भी निर्मित करता है। साथ ही, औद्योगिक इकाईयों के लिए कच्चा माल भी उपलब्ध कराता है। वैश्विक स्तर पर कृषि क्षेत्र की महत्ता आगे आने वाले समय में भी इसी प्रकार बनी रहेगी क्योंकि इस क्षेत्र से पूरी दुनिया के नागरिकों के लिए भोजन, उद्योग के लिए कच्चा माल एवं रोजगार के अवसर कृषि क्षेत्र से ही निकलते रहेंगे। हां, कृषि क्षेत्र में आज हो रही प्रौद्योगिकी में प्रगति के चलते किसानों को कम भूमि पर, मशीनों का उपयोग करते हुए, कम पानी की आवश्यकता के साथ भी अधिक उत्पादन करना सम्भव हो रहा है। इससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ कृषि उत्पाद की लागत कम हो रही है और किसानों के लिए खेती एक उद्योग के रूप में पनपता हुआ दिखाई दे रहा है और अब यह लाभ का व्यवसाय बनता हुआ दिखाई देने लगा है।केला, आम, अमरूद, पपीता, नींबू जैसे कई ताजे फलों एवं चना, भिंडी जैसी सब्जियों, मिर्च, अदरक जैसे प्रमुख मसालों, जूट जैसी रेशेदार फसलों, बाजरा एवं अरंडी के बीज जैसे प्रमुख खाद्य पदार्थों एवं दूध के उत्पादन में भारत पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। दुनिया के प्रमुख खाद्य पदार्थों यथा गेहूं एवं चावल का भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत वर्तमान में कई सूखे मेवे, कृषि आधारित कपड़े, कच्चे माल, जड़ और कांड फसलों, दालों, मछली पालन, अंडे, नारियल, गन्ना एवं कई सब्जियों का पूरे विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक है।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत 80 प्रतिशत से अधिक कृषि उपज फसलों (काफी एवं कपास जैसी नकदी फसलों सहित) के साथ दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया था। साथ ही, भारत सबसे तेज विकास दर के साथ पशुधन एवं मुर्गी मांस के क्षेत्र में दुनिया के पांच सबसे बड़े उत्पादक देशों में शामिल हो गया है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

बुधवार 02 अप्रैल 2025, नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

बनासकांठा की पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट, 7 मजदूरों की मौत; 6 घायल

अहमदाबाद,(आरएनएस)। गुजरात के बनासकांठा जिले में मंगलवार को एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। हादसे में 7 मजदूरों की मौत हुई है।घटना डीसा कस्बे में हुई है। हादसे में घायल 6 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस और अग्निशमन की टीम ने फैक्ट्री में फंसे मजदूरों को किसी तरह बाहर निकाला।पुलिस ने अभी तक 7 शव बरामद किए हैं। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।धुनवा रोड पर स्थित दीपक ट्रेडर्स नाम की पटाखा फैक्ट्री खूबचंद सिंधी की है। यहां विस्फोटक जमा कर पटाखा बनाया जाता है। मंगलवार को फैक्ट्री में छोटी आग से विस्फोट हुआ, जिसके बाद भीषण आग लग गई। कुछ लोगों का कहना है कि फैक्ट्री के बॉयलर में विस्फोट हुआ था।पुलिस का कहना है कि धमाके से फैक्ट्री के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए और छत ढह गई, जिसमें कई लोग दबे हैं। मामले की जांच की जा रही है।

अजमेर के ब्यावर में तेजाब फैक्ट्री से नाइट्रोजन गैस का रिसाव, मालिक की मौत

अजमेर, (आरएनएस)। राजस्थान के अजमेर जिले में सोमवार रात बड़ा हादसा हो गया। यहां के ब्यावर इलाके में स्थित तेजाब बनाने वाली फैक्ट्री में नाइट्रोजन गैस के लीक होने से 1 की मौत हो गई, जबकि 40 लोग बीमार हो गए।घटना बलाड रोड पर सुनील ट्रेडिंग कंपनी केमिकल फैक्ट्री में हुई है। मृतक की पहचान फैक्ट्री के मालिक सुनील कुमार सिंघल के रूप में हुई है।घटना की सूचना पर जिला प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई।पुलिस ने बताया कि फैक्ट्री के टैंकर में 27 टन नाइट्रोजन गैस थी, जिसमें से 18 टन को खाली किया जा चुका था और 7 टन गैस को खाली करना था।इसी दौरान किसी ने टैंकर का ढक्कर खोल दिया, जिससे गैस लीक होने लगी और हवा में घुल गई। गैस के सीधे चपेट में आने से मालिक की मौत हुई। उन्होंने अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में दम तोड़ा।गैस आसपास के इलाकों में भी फैल गई।घटना की सूचना पर जिला कलेक्टर डॉ महेंद्र खडगावत और पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह भी रात में अस्पताल पहुंचे और बीमार लोगों की स्थिति का जायजा लिया।बताया जा रहा है कि फैक्ट्री रिहायशी इलाके में थी, जिससे गैस ने अधिक लोगों को अपनी चपेट में लिया। अभी अस्पताल में करीब 40 लोग भर्ती हैं। उन्होंने सांस लेने में तकलीफ, आंख में जलन और घबराहट की शिकायत बताई है। पूरे इलाके को सील कर दिया गया है।

झारखंड के साहिबगंज में कोयले से लदी 2 मालगाड़ियों की आमने-सामने टक्कर, 3 की मौत

रांची,(आरएनएस)। झारखंड के साहिबगंज जिले में मंगलवार तड़के बड़ा रेल हादसा हो गया। यहां के बरहेट में कोयले से लदी 2 मालगाड़ियों की आमने-सामने टक्कर हो गई।हादसा एनटीपीसी के पास एनजीआर लाइन पर तड़के 3:30 बजे हुआ था। हादसे में 2 लोको पायलट समेत 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के 4 जवान घायल हैं।मृतक लोको पायलटों में बोकारो के अंबुज महतो और बंगाल के बीएस मॉल शामिल हैं। एक अज्ञात है।यह पहली बार नहीं है, जब एनटीपीसी के पास बड़ा रेल हादसा हुआ हो। इससे पहले कुछ आपराधिक तत्वों ने यहां पटरियों पर बम बिछाकर उसे उड़ा दिया था, जिससे कोयला लदी गाड़ी पटरी से उतर गई थी। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पादरी बजिंदर सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में उम्रकैद की सजा

चंडीगढ़(आरएनएस)। चंडीगढ़ की मोहाली कोर्ट ने मंगलवार को पादरी बजिंदर सिंह को 2018 के यौन उत्पीड़न के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है।कोर्ट ने आरोपी की दया याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि खुद को धार्मिक नेता के तौर पर पेश करने वाला व्यक्ति उन लोगों के खिलाफ ऐसा अपराध कैसे कर सकता है, जो उस पर आस्था रखते हैं। कोर्ट ने पिछले हफ्ते उसे दोषी करार दिया था।

मौसम साफ रहने से तेजी से चढ़ेगा पारा, कई राज्यों में लगेंगे लू के थपेड़े

नईदिल्ली,(आरएनएस)। देशभर में तेज हवाओं का असर कमजोर पड़ने के साथ ही गर्मी ने जोर पकड़ना शुरू कर दिया है। पूरे सप्ताह भीषण गर्मी लोगों को परेशान करेगी।भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अगले 3 महीने में सामान्य से अधिक गर्मी पड़ेगी और ज्यादा दिनों तक लोगों को लू का सामना करना पड़ेगा।आज अधिकांश इलाकों में मौसम साफ रहेगा, जबकि मध्य प्रदेश, विदर्भ, तेलंगाना, तटीय कर्नाटक, केरल, मध्य महाराष्ट्र में गरज, बिजली और तेज हवाएं चलने की संभावना है।राजस्थान में अचानक से मौसम पलट गया है, जिसके चलते अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री से नीचे चला गया है।पिछले 24 घंटों में अधिकतम तापमान में 3-7 डिग्री और न्यूनतम में 2-5 डिग्री की कमी आई है। राज्य में सोमवार को सर्वाधिक अधिकतम तापमान चित्तौड़गढ़ में 34.7 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान फतेहपुर में 8.2 डिग्री दर्ज किया गया।प्रदेश में 1-3 अप्रैल तक दक्षिण-पूर्वी भागों में बादल छाने और हल्की बारिश होने की संभावना है। बिहार में पछुआ हवाओं के कारण मौसम शुष्क बना हुआ है और 3-4 दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान 2-4 डिग्री तक बढ़ सकता है। साथ ही लू चलने के भी आसार हैं।

मध्य प्रदेश में गर्मी का असर तेजी से बढ़ रहा है और अधिकतम तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंच गया है।इसके साथ ही उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, बंगाल, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, गुजरात और ओडिशा में भीषण गर्मी और कुछ जगह लू चल सकती है। दिल्ली में तेज हवाओं से मिल रही राहत अब खत्म हो गई और आज से तापमान में दोबारा इजाफा होने लगेगा। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 36 और 16 डिग्री रहने के आसार हैं। राजधानी में सोमवार को न्यूनतम तापमान 13.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 4.3 डिग्री कम है। अधिकतम तापमान सामान्य से 2.4 डिग्री अधिक 35.0 डिग्री रहा।इसी सप्ताह के अंत तक अधिकतम तापमान 38 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है।आईएमडी के अनुसार, उत्तराखंड में आज मौसम साफ रहेगा, जिससे तापमान में बढ़ोतरी होगी। न्यूनतम तापमान सामान्य से कम होने के कारण रात के समय ठंड बनी रहेगी। अप्रैल और मई में यहा गर्मी नए रिकॉर्ड बना सकती है। दूसरी तरफ हिमाचल प्रदेश में 3 अप्रैल तक मौसम साफ रहने की संभावना जताई गई है और इस दौरान बारिश और बर्फबारी की कोई संभावना नहीं है।जम्मू-कश्मीर में भी इस सप्ताह तापमान बढ़ने के आसार जताए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में एक प्रेस वार्ता के दौरान चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक का अभिवादन किया।

इसरो ने दिखाई म्यांमार में आए भूकंप के बाद की तबाही, उपग्रह तस्वीरें जारी की

नईदिल्ली(आरएनएस)। म्यांमार में शुक्रवार को आए 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप ने काफी तबाही मचाई और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान ने अपनी बेहतरीन पृथ्वी इमेजिंग उपग्रह कार्टोसैट-3 का उपयोग कर इस आपदा से हुए नुकसान की उपग्रह तस्वीरें जारी की हैं। तस्वीरों में म्यांमार के मांडले और सगाइंग शहरों में ध्वस्त इमारतों, सड़कों, ऐतिहासिक स्थलों और ब्रिज के पहले और बाद के दृश्यों को दिखाया गया है। तस्वीरें काफी साफ दिख रही हैं। इसरो ने कार्टोसैट-3 को 2019 में लॉन्च किया था। यह 50 सेंटीमीटर से भी कम रेज्योल्यूशन वाली तस्वीरों को साफ खींचने में माहिर है।

इसने धरती से 500 किलोमीटर की ऊंचाई से म्यांमार की तबाही की तस्वीरें ली हैं। तस्वीरें भूकंप के एक दिन बाद शनिवार को ली गई थीं, जबकि तुलना 18 मार्च की तस्वीरों के साथ किया। तस्वीरों में इरावदी नदी पर बना विशाल अवा (इनवा) पुल, मांडले विश्वविद्यालय और अनंदा पगोडा के नुकसान को दिखाया गया है। म्यांमार में शुक्रवार दोपहर 12:50 बजे 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। इसका केंद्र मांडले शहर से लगभग 16 किलोमीटर दूर 10 किलोमीटर जमीन के नीचे था। इसके 12 मिनट बाद 7 तीव्रता का दूसरा भूकंप आया था। झटकों का असर थाईलैंड के बैंकॉक में भी दिखा। भूकंप से म्यांमार में कई इमारतें और अन्य प्रमुख बुनियादी ढांचे गिर गए।

पति को बचाने पत्नी भिड़ी हाथी से, दाया उखड़ा

बलरामपुर, (आरएनएस)। बलरामपुर रामानुजगंज रामचंद्रपुर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम फुलवार में आज शाम 5 बजे के करीब जब दो हाथियों के चपेट में पति आ गए तो पत्नी अदम्य साहस का परिचय देते हुए हाथी से भीड़ गई। इसके बाद बौखलाए हाथियों ने पत्नी के दाया हाथ को उखाड़ फेंका। घटना के करीब डेढ़ घंटे के बाद स्थानीय लोगों के द्वारा साहस दिखाते हुवे पति पत्नी को 100 बिस्तर अस्पताल रामानुजगंज लाये। जहां से दोनों को मेडिकल कॉलेज ऑबिकापुर के लिए रेफर कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम फुलवार में अपने खेत में बांधे गाय को लेने शाम 5 बजे के करीब उस्मान अंसारी उम्र 50 वर्ष अपनी पत्नी असमीना अंसारी उम्र 45 वर्ष के साथ गए थे। इसी दौरान दो हाथी के चपेट में आ गए जिसे देख पत्नी असमीना के द्वारा अदम्य साहस का परिचय देते हुए वह हाथियों से भिड़ गई गुस्साए हाथियों के द्वारा असमीना का दाया हाथ सूड़ से उखाड़ कर फेंक दिया। घटना के बाद काफी देर तक दोनों दर्द से तड़पते रहे गांव वालों ने साहस दिखाते हुए मौके पर पहुंचे एवं दोनों को रामानुजगंज 100 बिस्तर अस्पताल लाया गया जहां से दोनों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल ऑबिकापुर के लिए रेफर कर दिया गया।

देश के अंदर लाल आतंक 12 नहीं, अब सिर्फ 6 जिलों तक सिमट गया : शाह

31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद मुक्त होगा भारत

नई दिल्ली (ए)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नक्सल समस्या अब देश के 12 जिलों से घटकर सिर्फ छह जिलों में समिति रह गई है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार नक्सलवाद के प्रति निर्मम दृष्टिकोण और सर्वांगीण विकास के लिए अथक प्रयासों के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

गृहमंत्री शाह ने लिखा, नक्सल मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, आज हमारे राष्ट्र ने वामपंथी उग्रवाद से सर्वाधिक प्रभावित जिलों की संख्या को 12 से घटाकर मात्र 6 तक समित कर दिया है। भारत 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

बीते दिनों शाह ने नक्सलवाद को लोकतंत्र का सबसे बड़ा दुश्मन बताया था। उन्होंने कहा था कि मोदी सरकार

नक्सलमुक्त भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है और 31 मार्च 2026 तक देश नक्सलमुक्त होकर रहेगा। 31 मार्च 2026 के बाद देश में नक्सलवाद केवल इतिहास में गिना जाएगा, यह हमारा संकल्प है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने 30 मार्च को बीजापुर में 50 नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने नक्सलियों के सरेंडर करने के फैसले का स्वागत कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीति स्पष्ट है कि जो भी नक्सली हथियार छोड़कर विकास का मार्ग अपनाएंगे, उनका पुनर्वास कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

चैत्र नवरात्रि पर्व : सर्वमंगला मंदिर में देवी दर्शन के लिए उमड़ रहा श्रद्धालुओं की भीड़

कोरबा (आरएनएस)। हसदेव नदी पावन तट पर स्थित मां सर्वमंगला मंदिर में 30 मार्च से चैत्र नवरात्र प्रारंभ हो गया है। यहां बड़ी सख्या में श्रद्धालुओं ने अपने मनोकामना ज्योति कलश जलवाएं है। श्रद्धालुओं को ताता मां के दर्शन के लिए उमड़ रहा है। मंदिर प्रबंधन समिति ने श्रद्धालुआके की सुविधा के लिए कई प्रबधन किए है। मंदिर परिसर को भव्य एवं आकर्षण ढंग सजाए गए है। चैत्र नवरात्र 7 अप्रेल तक चलेगा।30 मार्च से चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ हो चुका है, और इस अवसर पर माँ सर्वमंगला मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। इस वर्ष मंदिर प्रबंधन द्वारा 7150 मनोकामना ज्योति कलशों की स्थापना की गई है, जिससे माँ का दरबार दीपों की आभा से आलोकित होगा। भव्य आयोजन को लेकर भक्तों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। कोरबा ही नहीं, बल्कि दूर-दराज के जिलों से भी श्रद्धालु माँ के दर्शन के लिए मंदिर पहुँच रहे हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन समिति ने विशेष तैयारियाँ की हैं। दर्शन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए अलग-अलग कतारें बनाई गई हैं, जिससे भक्त बिना किसी असुविधा के माँ के दर्शन कर सकें। साथ ही, मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सजावट और रंगीन फूलों से सजाया गया है,- मंदिर समिति के प्रमुख प्रबंधक राजपुरोहित पं. नमन पाण्डेय (नन्हा महाराज) ने बताया कि इस वर्ष 6500 तेल और 650 घी के मनोकामना ज्योति कलश स्थापित किए गए हैं, जिससे श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएँ माँ के चरणों में अर्पित कर सकें।

मुंबईकरों पर लगेगा कचरा शुल्क, 100 से साढ़े सात हजार रुपये तक के शुल्क का मसौदा तैयार

मुंबई, (ए)। मुंबईकरों को अब महानगर पालिका द्वारा एकत्र किए गए कचरे के लिए भुगतान करना होगा और इस संबंध में एक मसौदा तैयार किया गया है। इस मसौदे पर नागरिकों से 31 मई तक आपत्तियां और सुझाव मांगे गए हैं। आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों के स्थान, उपयोग और अपशिष्ट उत्पादन को ध्यान में रखते हुए शुल्क 100 रुपये से 7,500 रुपये तक निर्धारित किया जाएगा। बताया गया है कि आवासीय संपत्तियों के लिए अपशिष्ट प्रबंधन सेवाओं हेतु 50 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले निर्मित फ्लैट के लिए 100 रुपये, 50 से 300 वर्ग मीटर के फ्लैट के लिए 500 रुपये, जबकि 5000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले विवाह हॉल, उत्सव और प्रदर्शनी आयोजित की जाती हैं,

वहां 7,500 प्रति माह लिया जायेगा। 500 रुपये ठोस अपशिष्ट प्रबंधन उपयोगकर्ता शुल्क लिया जाएगा। मुंबई मनपा के स्वच्छता एवं स्वास्थ्य उपनियम 2006 वर्तमान में मुंबई में लागू हैं। अभी तक नगर निगम सोसायटियों, चॉलों, बहुमंजिला इमारतों, होटलों आदि से निशुल्क कचरा एकत्र कर उसका निपटान करता रहा है। इसके लिए बड़ी राशि खर्च करनी पड़ती है। इसलिए, केंद्र के सुझाव के अनुसार, विभिन्न सरकारी और प्रशासनिक परिवर्तनों के अनुसार मौजूदा उप-नियमों की उचित समीक्षा के बाद एक नया मसौदा तैयार किया गया है। इस बीच, नगर पालिका ने 31 मई तक सुझाव और आपत्तियां भेजने की अपील की है। सुझाव और आपत्तियों की प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रशासनिक स्वीकृति के बाद संशोधित प्रस्ताव लागू किया जाएगा। महानगर पालिका के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग को अपशिष्ट निपटान से कोई आय प्राप्त नहीं होती है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर में उत्कल दिवस समारोह में उत्कल गौरव मधुसूदन दास को श्रद्धांजलि अर्पित की।

'केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना' के लाभार्थियों की संख्या में जबरदस्त उछाल, बढ़कर 47.6 लाख हुए

नई दिल्ली (ए)। स्वास्थ्य मंत्रालय के लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) के लाभार्थियों की संख्या 2019-20 में 34.2 लाख से 39 प्रतिशत बढ़कर 2023-24 में 47.6 लाख हो गई है।इस बीच, सीजीएचएस के तहत लिस्टेड निजी अस्पतालों को रीइंबर्समेंट 2019-20 में 24 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में लगभग 60 प्रतिशत हो गई है।

पिछले साल दिसंबर में सीजीएचएस ने लिस्टेड अस्पतालों को एक सलाह जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि निदेशालय के ध्यान में आया है कि कुछ स्वास्थ्य सेवा संगठन 'बिल जमा करते समय धोखाधड़ी की गतिविधियों में लिप्त हैं।' साथ ही अधिक शुल्क लेने, उपचार करने से मना करने और दूसरी शिकायतों की भी रिपोर्ट की गई है।

सीजीएचएस पर 2019-20 और 2023-24 के बीच कुल खर्च में 54 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) केंद्र सरकार के कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उनके आश्रितों को बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करती है।

यह वेलनेस सेंटर और लिस्टेड अस्पतालों के बड़े नेटवर्क के माध्यम से चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करता है, जिसमें परामर्श, उपचार, निदान और दवाएं शामिल हैं, जो सुलभ और सस्ती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करता है।

इस बीच, 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' के लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, अब 76 करोड़ से अधिक भारतीयों के पास आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (एबीएचए) आईडी है।आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) का एक प्रमुख घटक एबीएचए, एक खाता/संख्या है, जिसका इस्तेमाल किसी व्यक्ति के सभी स्वास्थ्य रिकॉर्ड को जोड़ने के लिए किया जाता है। एबीएचए का उद्देश्य लाभार्थियों के लिए जेब से होने वाले खर्च को कम करना और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में सुधार करना है।लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, मार्च में अब तक 55,10,259 'आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट' खाते खोले गए, जिनमें से 1,67,257 बुधवार को खोले गए। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 1,319.1 लाख स्वास्थ्य खाते हैं, उसके बाद 623.8 लाख स्वास्थ्य खातों के साथ राजस्थान और 585.9 लाख स्वास्थ्य खातों के साथ महाराष्ट्र का नाम आता है।

बॉम्बे हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, इस शर्त के साथ 26 हफ्ते के भ्रूण का करा सकते हैं गर्भपात

मुंबई (ए)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा है कि 26 हफ्ते के भ्रूण का गर्भपात करवाया जा सकता है। 32 वर्षीय गर्भवती महिला को उसके 26 हफ्ते के गर्भ को एक निजी अस्पताल में अपना गर्भपात कराने की अनुमति देते हुए कहा कि उसे प्रजनन का चुनाव करने या नहीं करने का अधिकार है।इसके साथ ही कोर्ट ने ये भी कहा कि शारीरिक स्वायत्तता और चुनाव करने का अधिकार है। हृदय संबंधी रोग से ग्रस्त भ्रूण को जन्म लेने नहीं देने की मां की संवेदना को ही अदालत ने उनकी इच्छा मानते हुए उसका सम्मान किया। जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की खंडपीठ ने सोमवार को एक निजी अस्पताल में याचिकाकर्ता गर्भवती महिला को अपना गर्भ गिराने की अनुमति देते जब उस अस्पताल ने अपने हलफनामे में बताया कि इस मामले में मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी (एमटीपी) एक्ट के तहत सभी आवश्यकताओं की पूर्ति की जा रही है। एमपीटी एक्ट के प्रविधानों में 24 हफ्ते से अधिक के गर्भ का किसी निजी अस्पताल में गर्भपात बिना अदालत की अनुमति के नहीं हो

सकता है।हाई कोर्ट ने अपना यह आदेश विगत 28 मार्च को दिया था। अदालत के इस फैसले के बाद महिला की अपील के अनुरूप उस आपरेशन को अंजाम दिया गया जिससे भ्रूण की हृदयगति रुक जाए। हालांकि खंडपीठ ने इस बात का भी निर्देश दिया कि सरकारी जेजे अस्पताल के मेडिकल बोर्ड की गर्भपात की बेहतर विधि के संबंध में सलाह ली जा सकती है। मुंबई की रहने वाली याचिकाकर्ता का कहना था कि वह अपने मनचाहे अस्पताल में ही गर्भपात कराना चाहती है।

नेपाल की खूबसूरत हसीना अदिति बुधाथोकी पर चढ़ा हॉटनेस का खुमार, कातिल अदाओं ने फैंस का खींचा अटेंशन

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी हमेशा अपने लेटेस्ट ग्लैमरस और हॉट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में अदिति ने इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में वो एथनिक लुक में कहर बरपा रही हैं। एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी नेपाल की मशहूर एक्ट्रेसेस में से एक हैं। उनका किलर लुक इंटरनेट पर आते ही अक्सर तबाही मचाती मचाता रहता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंटरनेट पर साझा की हैं, जिसमें वो काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं। अदिति ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही खूबसूरत लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनका यह लुक इंटरनेट पर बवाल मचा रहा है। कानों में झुमके, बालों को कर्ली लुक में ओपन कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने कातिल निगाहों से पोज देती हुई सोशल मीडिया पर खंजर चलाती हुई नजर आ रही हैं। अदिति बुधाथोकी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

कपिल शर्मा का फैंस को तोहफा, किस किस को प्यार करूं 2 से फर्स्ट लुक आउट, दूल्हा बन हंसाने को तैयार कॉमेडी किंग

कॉमेडियन से एक्टर बने कपिल शर्मा ने आज ईद के मौके पर अपने फैंस को बड़ा तोहफा दिया है. कपिल शर्मा ने अपनी मोस्ट अवेटेड कॉमेडी ड्रामा फिल्म किस किस को प्यार करूं 2 से अपना लुक शेयर कर दिया है. फिल्म के नए पोस्टर में कपिल शर्मा दूल्हेराजा बने दिख रहे हैं. दूल्हे के लुक में कपिल शर्मा हैरान-परेशान दिख रहे हैं. वहीं, कपिल घूंघट ओढ़े अपनी दुल्हनिया के साथ दिख रहे हैं. किस किस को प्यार करूं 2 में कपिल की दुल्हनिया कौन बनने जा रही है, यह तो घूंघट उठने के बाद ही पता चलेगा.कपिल शर्मा और मनजोत सिंह स्टारर फिल्म किस किस को प्यार करूं 2 एक शानदार कॉमेडी फिल्म होने जा रही है. फिल्म के पहले भाग में कपिल ने अपने दर्शकों को खूब हंसाया था. अब फिल्म के दूसरे पार्ट में उनके फर्स्ट लुक ने शोर मचा दिया है.

सीमाओं से आगे निकलकर चुनौती भरी भूमिका निभाना करता है उत्साहित : हेली शाह

हाल ही में रिलीज हुई सीरीज ज्यादा मत उड़ में अभिनय कर रहीं लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री हेली शाह का कहना है कि अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने वाली भूमिकाओं के साथ खुद को चुनौती देना उन्हें और अधिक उत्साहित करता है।

ड्रामा और कॉमेडी का एक बेहतरीन मिश्रण ज्यादा मत उड़ चुनौतियों से भरी दुनिया में अपना रास्ता खुद बनाने की कोशिश कर रहे युवाओं के संघर्ष और आकांक्षाओं के इर्द-गिर्द घूमती है।

उन्होंने बताया, ''एक साथ कई कलाकारों के साथ प्रोजेक्ट का हिस्सा होना मेरे लिए कभी चिंता का विषय नहीं रहा, क्योंकि मुझे अपने काम पर भरोसा है। मुझे सबसे ज्यादा रोमांचित करता है खुद को ऐसे किरदारों से चुनौती देना जो एक अभिनेता के तौर पर मेरी सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं।

शो में हेली ने काजल की भूमिका निभाई है, जो एक आत्मविश्वासी और महत्वाकांक्षी महिला है, जो सामाजिक अपेक्षाओं से पीछे हटने से इनकार करती है।

अपने पहले निभाए गए पारंपरिक किरदारों से अलग, काजल बोल्ड, मुखर और हमेशा चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहती हैं।

उन्होंने कहा, 'ज्यादा मत उड़' में काजल की भूमिका निभाना मेरे लिए एक नया अनुभव रहा है, क्योंकि वह बोल्ड, निडर और सामाजिक मानदंडों से बंधे रहने से इनकार करती है। वह अपने मन की सुनती है, अपने लिए खड़ी होती है और मेरे द्वारा पहले निभाई गई भूमिकाओं की तुलना में एक अलग ऊर्जा लेकर आती है। यह रोमांचक और फायदेमंद दोनों रहा है।हेली ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 8वीं कक्षा में शो 'गुलाल' से की थी। इसके बाद वह 2011 के शो दीया और बाती हम में नजर आईं।इसके बाद उन्होंने 'अलक्ष्मी - हमारी सुपर बहू' में अलक्ष्मी का किरदार निभाया। बाद में वह खेलती है जिंदगी आंख मिचौली में अमी के किरदार में दिखी थीं। इसके बाद वह सोनी पल के शो खुशियों की गुल्लक आशी में नजर आईं।

'स्वरागिनी' में हेली ने स्वरा माहेश्वरी का किरदार निभाया था। 2016 में शाह 'झलक दिखला जा' के सीजन 9 में दिखी थीं। अभिनेत्री को बाद में 'देवांशी', 'सूफियाना प्यार मेरा', 'ये रिश्ते हैं प्यार के' और 'इश्क में मरजावां 2' जैसे कई अन्य शो में देखा गया।

सिनेमाघरों में री-रिलीज होगी गुलशन देवैया, राधिका आप्टे और साई ताम्हणकर स्टारर हंटर 4

मुंबई, । गुलशन देवैया, राधिका आप्टे और साई ताम्हणकर स्टारर एडल्ट कॉमेडी फिल्म 'हंटर' सिनेमाघरों में फिर से रिलीज के लिए तैयार है। साल 2010 में रिलीज हुई फिल्म दस साल बाद 4 अप्रैल को सिनेमाघरों में फिर से आएगी।मार्च 2015 में रिलीज यह फिल्म एक अव्यवस्था को तोड़ने वाली फिल्म थी, अपने बोल्ड विषय, शानदार अभिनय के लिए फिल्म को समीक्षा मिली। फिल्म में गुलशन ने एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभाई, जो कामुक रहता है। अभिनेता ने कहा कि उन्हें फिल्म पर काम करने और इसके लिए ढेरों प्यार पाने में मजा आया।उन्होंने एक बयान में कहा, हंटर 2015 से सिनेमा प्रेमियों से खूब स्नेह पाया। एक बार फिर लोगों को प्यारी फिल्म देखने के लिए सिनेमाघर जाने का मौका मिला है। सभी को दसवीं वर्षगांठ की शुभकामनाएं और मैं आपसे सिनेमाघर में मिलूंगा।राधिका ने हंटर को अपने करियर की सबसे मजेदार फिल्मों में से एक बताया। उन्होंने कहा, जब स्क्रिप्ट मेरे पास आई थी, तो मुझे पता था कि मुझे यह फिल्म करनी है। इतने सालों बाद री-रिलीज का यह एक अच्छा फैसला है। फिल्म ने कल्ट का दर्जा हासिल कर लिया है और मुझे खुशी है कि यह सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हो रही है।

सरदार 2 से कार्थी की पहली झलक जारी, देश को बड़े खतरे से बचाने निकले अभिनेता

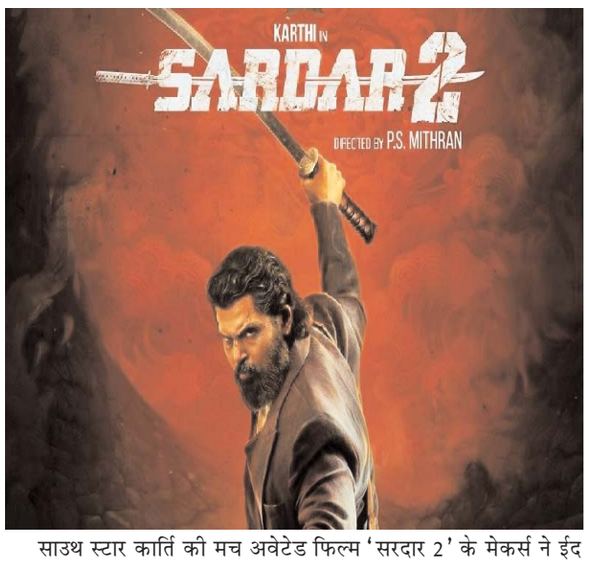

साउथ स्टार कार्ति की मच अवेटेड फिल्म 'सरदार 2' के मेकर्स ने ईद के मौके पर फैंस को बड़ा तोहफा दिया है। मेकर्स ने सफल जासूसी फिल्म के अगले भाग का आज फर्स्ट लुक और टीजर वीडियो जारी कर दिया गया है। इस फिल्म के जरिए कार्ति एक बार फिर बड़े पर्दे पर तहलका मचाने आ रहे हैं। 'सरदार 2' के मेकर्स ने ईद के मौके पर कार्ति के फैंस का दिन बना दिया है। मेकर्स ने फिल्म का एक टीजर वीडियो जारी किया है, जिसे प्रोलॉग वीडियो बताया है। लगभग तीन मिनट लंबे इस वीडियो में कार्ति जबरदस्त एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। टीजर की शुरूआत में चीनी सेना दिखती है। चीनी सेना एक व्यक्ति से पूछती है कि क्या डेलीगेट अभी भी अंदर है? व्यक्ति कहता है हां, दरवाजा बंद हुए एक घंटा हो चुका है। जिसके बाद सेना दरवाजे को तोड़ने का प्रयास करने लगती है। वहीं दरवाजे के अंदर तलवारों से युद्ध चल रहा है। जिसमें एक तलवार पर सबसे पहले कार्ति की झलक दिखती है।

उसके बाद कार्ति दरवाजे के अंदर तलवार लेकर एक्शन करते नजर आते हैं। काफी एक्शन के बाद एक व्यक्ति कार्ति से पूछता है तुम कौन शैतान हो और मुझसे क्या चाहते हो? इसके बाद वो व्यक्ति कार्ति के ऊपर हमला करता है, लेकिन वो उससे बच जाते हैं। इसके बाद कार्ति का पूरा लुक सामने आता है और वो व्यक्ति कार्ति को देखकर कहता है सरदार।

बाद में वो व्यक्ति सरदार से कहता है कि तुम्हारे देश की ओर एक बड़ी प्रलय आ रही है। जिसे कोई नहीं रोक पाया है। पूरी दुनिया की खुफिया एजेंसियां उसके पीछे पड़ी हैं। ब्लैक डैगर आ रहा है। इसके साथ ही एसजे सूर्या के किरदार की दमदार तरीके से एंट्री होती है। वहीं सरदार उस व्यक्ति से कहता है कि हमारे देश में एक कहावत है कि 'जब युद्ध हम पर हावी होता है, हम जीवन की परवाह नहीं करते।' इसके बाद कार्ति उस व्यक्ति को मार देता है। फिल्म में एसजे सूर्या खूंखार विलेन ब्लैक डैगर के किरदार में हैं। इस वीडियो से ये पता चलता है कि फिल्म की कहानी जासूस सरदार के ब्लैक डैगर को हराने और देश को बचाने के मिशन के इर्द-गिर्द घूमेगी।

इस टीजर वीडियो से पहले मेकर्स ने सरदार 2 का फर्स्ट लुक जारी किया था। इसमें कार्ति हाथों में तलवार लिए काफी इंटेंस लुक में नजर आ रहे थे। इस फर्स्ट लुक को देखकर ही फैंस काफी एक्साइटेड हो गए थे। लेकिन इसके कुछ ही देर बाद मेकर्स ने लगभग तीन मिनट लंबा प्रोलॉग वीडियो जारी कर दिया। जिसके बाद फैंस अब फिल्म को लेकर काफी ज्यादा उत्साहित हो गए हैं।

एल2: एम्पुरान बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 4: ममूटी की ब्रह्मयुगम को पछाड़ 50 करोड़ी क्लब में शामिल हुई मोहनलाल की फिल्म

मोहनलाल-पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म एल2: एम्पुरान बॉक्स ऑफिस पर सक्सेसफुल रन कर रही है. रिलीज के चौथे दिन मोहनलाल की फिल्म को सलमान खान की नई फिल्म सिकंदर का सामना करना पड़ा. इसके बावजूद फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की और 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने में सफल रही.

पृथ्वीराज सुकुमारन की 2019 की पहली निर्देशित लूसिफर की अगली कड़ी को मलयालम सिनेमा की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म माना जा रहा है. सैकनिल्क के मुताबिक फिल्म ने 21 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर एंट्री की. वहीं, दूसरे और तीसरे दिन इसने क्रमश: 11.1 करोड़ रुपये और 13.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है.

सैकनिल्क के ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, सिंकदर से टकराव मिलने के बावजूद, मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म ने रविवार, 30 मार्च को बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए रखी और डबल डिजिट में कमाई करने में सफल रही. एल2: एम्पुरान ने रिलीज के चौथे दिन 14 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. इसी के साथ एल2: एम्पुरान सफलतापूर्वक 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने में सफल रही. इन 4 दिनों में एल2: एम्पुरान का टोटल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 59.35 करोड़ रुपये हो गए हैं. वहीं, फिल्म ने 48 घंटे से भी कम समय में दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया था.

59.35 करोड़ रुपये की कमाई के साथ पृथ्वीराज सुकुमारन निर्देशित फिल्म एल2: एम्पुरान ने ममूटी की फिल्म ब्रह्मयुगम और कल्याणी प्रियदर्शन की हृदयम के लाइफटाइम वर्ल्डवाइड कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है. पिछले साल 15 फरवरी को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई ब्रह्मयुगम ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 55.2 करोड़ रुपये कलेक्शन किया था.

सिकंदर बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 1: पहले दिन कमाए 26 करोड़ रुपये, छावा को पछाड़ने में रही नाकाम

पिछले काफी समय से अभिनेता सलमान खान फिल्म सिकंदर को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी यह फिल्म ईद के मौके पर यानी 30 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है।

फिल्म को समीक्षकों के साथ-साथ दर्शकों की बढ़िया प्रतिक्रिया मिली, वहीं सिनेमाघरों में दस्तक देते ही इसने तहलका मचा दिया है। हालांकि, यह पहले दिन विक्की कौशल की छावा को नहीं पछाड़ पाई।

आइए जानें सिकंदर ने पहले दिन कितने करोड़ रुपये का कारोबार किया।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सिकंदर ने पहले दिन 26 करोड़ रुपये का कारोबार किया। हालांकि, ये शुरुआती आंकड़े हैं और आधिकारिक आंकड़े सामने आने के बाद उनमें थोड़ा बहुत फेरबदल हो सकता है।बता दें कि छावा ने पहले दिन 31 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। यह इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है।

गौरतलब है कि सिकंदर का अनुमानित बजट 200 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।सुपरस्टार की पिछली रिलीज की तुलना में सिकंदर, बजरंगी भाईजान (2015) से थोड़ा पीछे रह गई. बजरंगी भाईजान ने अपने पहले दिन 26.67 करोड़ रुपये कमाए. हालांकि, इसने 2019 की रिलीज दबंग 3 (24.50 करोड़ रुपये) को पीछे छोड़ दिया. चूंकि, सोमवार को ईद की छुट्टी है, इसलिए सिकंदर को अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए एक और मौका है. यह फिल्म एआर मुरुगदॉस के निर्देशन में बनी है, जिन्होंने आमिर खान को लेकर ब्लॉकबस्टर फिल्म गजनी बनाई थी। सिकंदर में सलमान की जोड़ी पहली बार अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है।इस फिल्म में प्रतीक बब्बर, काजल अग्रवाल, सत्यराज और शरमन जोशी सहित कई कलाकार सहायक भूमिका में नजर आ रहे हैं।

बता दें सिकंदर की कहानी एक ऐसे इंसान की है, जो भ्रष्ट सिस्टम से परेशान हो चुका है और अब इसके खिलाफ आवाज उठा रहा है।

रोजाना सुबह कुछ मिनट थपथपाएं अपने अंडर आर्म्स, मिलेंगे ये 4 स्वास्थ्य लाभ

सुबह उठकर लोग कई स्वस्थ आदतों का पालन करते हैं, जिनमें दांत साफ करना और योग करना शामिल होता है। इन दिनों ऐसी ही एक आदत चर्चा में है, जिसे रोजाना सुबह करने से सेहतमंद रहने में मदद मिल सकती है। इसमें सुबह उठने के बाद कुछ मिनट तक अपने अंडर आर्म्स को थपथपाना शामिल होता है। आइए जानते हैं की इसे अपनाने से आपको क्या-क्या स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

इस तरह से थपथपाएं अपने अंडर आर्म्स

अंडर आर्म्स को थपथपाना बेहद आसान होता है और इसमें चंद मिनट ही लगते हैं। इसके लिए सबसे पहले अपने हाथ को ऊपर उठाएं और उंगलियों को अंडर आर्म पर धीरे-धीरे फेरें। इस दौरान गहरी सांसें लेते रहें और करीब 5 मिनट तक इसे दोहराएं। इसी तरह दूसरे हाथ के अंडर आर्म को भी थपथपाएं।आप चाहें तो इसे करते समय अपने अंडर आर्म्स पर किसी प्रकार का तेल भी लगा सकते हैं।

लसीका तंत्र में भरा तरल निकलता है

हमारे अंडर आर्म्स लिम्फ नोड्स से भरे होते हैं, जो विषाक्त पदार्थों से छुटकारा पाने के लिए जरूरी होते हैं। जब आप अंडर आर्म्स को थपथपाते हैं तो लसीका तंत्र सक्रिय हो जाता है।इससे शरीर बेहतर तरीके से डिटॉक्स हो जाता है और लसिका तंत्र में भरा तरल पदार्थ भी बाहर निकल जाता है।इससे तरल का निर्माण भी कम हो सकता है और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती भी मिल सकती है।

हार्मोनल असंतुलन ठीक होता है

अंडर आर्म्स एंडोक्राइन सिस्टम यानि अंत:स्रावी तंत्र से जुड़े होते हैं। यह तंत्र हार्मोन को नियंत्रित रखने के लिए जिम्मेदार होता है।

अंडर आर्म्स को थपथपाने से यह तंत्र उत्तेजित हो जाता है, जिससे हार्मोन को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है। इसका असर खास तौर से तनाव और चयापचय से संबंधित हार्मोन पर नजर आता है।

इस आदत को अपनाने से आपका मूड बेहतर हो सकता है और संपूर्ण स्वास्थ्य का समर्थन हो सकता है।

स्वस्थ बनती है त्वचा

त्वचा विशेषज्ञ बताते हैं कि अंडर आर्म्स को थपथपाने से त्वचा की देखभाल में भी मदद मिल सकती है।इस आदत के जरिए रक्त प्रवाह बेहतर हो जाता है, जो त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है।इससे त्वचा की कोशिकाओं को पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषण मिलते हैं और वह निखरी बनी रहती है। साथ ही, इससे शरीर में होने वाली जलन और दुर्गंध से भी छुटकारा मिल जाता है।

ऊर्जा में होती है बढ़ोतरी

चीन के लोग अंडर आर्म्स को थपथपाने की आदत का नियमित रूप से पालन करते हैं। चीनी चिकित्सा के अनुसार, यह अंग शरीर के ऊर्जा मार्गों से जुड़ा होता है।

इसे थपथपाने से रक्त प्रवाह बेहतर होता है और ऊर्जा भी बढ़नी शुरू हो जाती है। अगर आप रोजाना करीब 10 मिनट का समय निकालकर अंडर आर्म्स को थपथपा लेंगे तो आप पुरे दिन ऊर्जावान और सक्रीय महसूस करेंगे।यह आदत तनाव से छुटकारा दिलाने में भी योगदान देगी।

सेतुबंधासन को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से मिल सकते हैं ये फायदे

सेतुबंधासन एक ऐसा योगासन है, जिसे नियमित रूप से करने से शरीर को कई लाभ मिल सकते हैं। यह आसन न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करता है।

इस लेख में हम आपको सेतुबंधासन के बारे में विस्तार से बताएंगे, जिससे आप इसे सही तरीके से कर सकें और इसके सभी लाभ प्राप्त कर सकें। आइए इसके बारे में जानते हैं।

सेतुबंधासन कैसे करें?

सेतुबंधासन करने के लिए सबसे पहले जमीन पर पीठ के बल लेटें।

अब अपने पैरों को घुटनों से मोड़ें और दोनों हाथों को एड़ियों के करीब लाने की कोशिश करें।इसके बाद अपने कूल्हे और पैरों को धीरे-धीरे ऊपर की ओर उठाएं।इस मुद्रा में कुछ सेकंड तक बने रहें और सामान्य गति से सांस लेते रहें, फिर धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आ जाएं।

रीढ़ की हड्डी पर होता है अच्छा असर

सेतुबंधासन रीढ़ की हड्डी के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसे नियमित रूप से करने से रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है और पीठ दर्द से राहत मिलती है। इस योगासन से पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव आता है, जिससे पीठ की मजबूती बढ़ती है।इसके अलावा यह आसन रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन को भी बढ़ाता है, जिससे आप अधिक आरामदायक महसूस करते हैं और आपकी मुद्रा सुधारती है।

पाचन तंत्र को मिल सकता है बढ़ावा

सेतुबंधासन पाचन तंत्र के लिए भी बहुत अच्छा होता है। इसे करने से पेट की अंदरूनी मालिश होती है, जिससे पाचन क्रिया सुधरती है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।इसके अलावा यह आसन पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है, जिससे पेट का आकार सही बना रहता है।नियमित रूप से इस योगासन को करने से आप ताजगी महसूस करते हैं और आपका पाचन तंत्र बेहतर तरीके से काम करता है।

मानसिक शांति प्राप्त करने में है सहायक

सेतुबंधासन मानसिक शांति प्रदान करने में भी मददगार होता है।

इसे करते समय गहरी सांस लेना और ध्यान केंद्रित करना आपके मन को शांत करता है और तनाव कम करता है।इस योगासन से आप अधिक संतुलित और स्थिर महसूस करते हैं, जिससे आपकी मानसिक स्थिति बेहतर होती है।नियमित रूप से सेतुबंधासन करने से आप दिनभर ऊर्जावान महसूस करते हैं और आपकी मानसिक क्षमता भी बढ़ती है।

शरीर का संतुलन बनाए रखने में है कारगर

सेतुबंधासन शरीर का संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है।

इसे करते समय शरीर का पूरा भार सिर और कूल्हों पर डालना पड़ता है, जिससे हाथ-पैरों का संतुलन बेहतर होता है।

इस योगासन से आप अपनी शारीरिक क्षमता को पहचान सकते हैं और धीरे-धीरे इसे सुधार सकते हैं।नियमित रूप से इस योगासन को करने से आप अधिक स्थिर और संतुलित महसूस करते हैं, जिससे आपकी समग्र शारीरिक शक्ति बढ़ती है।

असली दर्द झेलना अभी बाकी, हमने तो बस शुरुआत की है, ट्रंप की हूतियों और ईरान को चेतावनी

वाशिंगटन, (आरएनएस)। ईरान को भारी बमबारी की चेतावनी देने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को यमन में हूती ठिकानों पर हमले जारी रखने और उन्हें तथा उनके ईरानी समर्थकों को तब तक वास्तविक पीड़ा पहुंचाने की कसम खाई, जब तक कि वे अमेरिकी जहाजों के प्रति सभी आक्रामकता बंद नहीं कर देते। उन्होंने कहा कि यमन के हूती विद्रोहियों पर हमले तब तक जारी रहेंगे, जब तक वे जहाजों के लिए खतरा बने रहेंगे। उन्होंने हूतियों और उनके ईरानी समर्थकों को चेतावनी दी कि उन्हें आने वाले समय में असली दर्द झेलना पड़ेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह धमकी ट्रुथ सोशल पर दी है। उन्होंने दावा किया कि पिछले दो सप्ताह में अमेरिका द्वारा किए गए हमलों से विद्रोही समूह को बड़ी क्षति हुई है। ट्रंप ने कहा, पिछले दो हफ्तों में लगातार हमलों से ईरान समर्थित हूती आतंकवादियों का सफाया हो गया है। उनके कई लड़ाके और नेता अब हमारे साथ नहीं हैं। हम उन पर हर दिन और रात हमला करते हैं।

उन्होंने यह भी कहा, जब तक वे हमारे नौवहन की स्वतंत्रता के लिए खतरा बने रहेंगे, तब तक हमले जारी रहेंगे। हूतियों के लिए विकल्प स्पष्ट है- अमेरिकी जहाजों पर गोलीबारी बंद करो और हम तुम पर गोलीबारी बंद कर देंगे। नहीं तो, हमने अभी तो बस शुरुआत की है। हूतियों और ईरान में उनके समर्थकों दोनों के लिए असली दर्द अभी आना बाकी है।उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब उनकी सरकार यमन पर हमले को लेकर अमेरिकी अधिकारियों के बीच मैसेजिंग एप्प सिग्नल पर एक ग्रुप चैट में लीक होने को लेकर घिरी हुई है। इस ग्रुप चैट में एक अमेरिकी पत्रकार भी शामिल था। जिसे हमले की पहले ही जानकारी मिल गई थी। ट्रंप से जब भी सिग्नल पर चैट लीक कांड के बारे में पूछा जाता है तो वह बार-बार कहते हैं कि हूतियों पर किए गए अमेरिका के हमले सफल रहे हैं।

अटलांटिक पत्रिका ने पिछले हफ्ते खुलासा किया था कि उसके संपादक को गलती से एक ग्रुप चैट में शामिल किया गया था, जिसमें अमेरिका के शीर्ष अधिकारी यमन पर हवाई हमलों के बारे में चर्चा कर रहे थे। इस ग्रुप में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ भी शामिल थे, जिन्होंने हवाई हमलों के समय और खुफिया जानकारी का जिक्र किया।

म्यांमार में भूकंप से मरने वालों का बढ़ रहा आंकड़ा, अब तक 2700 लोगों की हो चुकी है मौत

नाएप्यीडॉ,(आरएनएस)। म्यांमार में पिछले सप्ताह आए विनाशकारी भूकंप में मरने वालों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। बचाव कार्य लगातारी जारी है। भूकंप के चलते ढही इमारतों से शव निकलने का सिलसिला जारी है। भूकंप की चपेट में आने से अब तक यहां 2700 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। हजारों की संख्या में लोग घायल हुए हैं।

म्यांमार में 28 मार्च 2025 को 7.7 तीव्रता के भूकंप के झटके लगे थे। इसके बाद 6.4 तीव्रता के भी झटके महसूस हुए। भूकंप का केंद्र म्यांमार के मध्य सागाइंग क्षेत्र में स्थित था, जो ऐतिहासिक शहर मांडले के पास है। मांडले में कई इमारतें, पुल और मंदिर नष्ट हो गए हैं या क्षतिग्रस्त हुए हैं। भूकंप के चलते बुनियादी ढांचे, सड़कें और रिहायशी इमारतों को भारी नुकसान हुआ।

हूतियों ने दिया अमेरिका को तगड़ा झटका, एमक्यू-9 रीपर ड्रोन मार गिराने का किया दावा

दुबई, (आरएनएस)। यमन के हूती विद्रोहियों ने अमेरिकी का एक और एमक्यू-9 रीपर ड्रोन मार गिराने का दावा किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हूतियों और उसके संरक्षक ईरान को चेतावनी जारी की है। इस चेतावनी के बीच ही हूती विद्रोहियों ने अमेरिकी ड्रोन गिराने का दावा किया है। हूती विद्रोहियों ने मारिब प्रांत में इस ड्रोन गिराने का दावा किया है। मारिब प्रांत एक महत्वपूर्ण इलाका है, क्योंकि यहां तेल और गैस के बड़े अड्डे हैं जो अब भी यमन की निर्वासित केंद्रीय सरकार के सहयोगियों के नियंत्रण में है।

सोशल मीडिया पर जारी तस्वीरों में आग की लपटें भी निकलती नजर आ रही हैं। हूती विद्रोहियों के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने अलग से एक पूर्व-रिकॉर्ड वीडियो संदेश में एमक्यू-9 ड्रोन को गिराने का दावा किया। सारी ने बताया कि विद्रोहियों ने ड्रोन को स्थानीय रूप से निर्मित मिसाइल से निशाना बनाया। वहीं अमेरिकी सेना ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि उसे रीपर ड्रोन के गिराने की खबरों के बारे में जानकारी है, हालांकि उसने इस पर और कोई विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया।

इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया वेबसाइट 'ट्रुथ सोशल' पर हूतियों और उनके मुख्य संरक्षक ईरान पर निशाना साधते हुए लिखा था, ''हूतियों के कई लड़ाके और नेता मारे जा चुके हैं। हम दिन-रात हूतियों पर हमले कर रहे हैं, ताकि क्षेत्र में सुरक्षा बनी रहे और समुद्री मार्गों को खतरा ना हो। ट्रंप ने कहा कि हूती विद्रोहियों के आतंक का समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता के लिए खतरा बने रहने तक अमेरिका हूती विद्रोहियों पर हमला जारी रखेगा।

एमक्यू-9 रीपर ड्रोन की खासियत यह है कि इसके बारे में दुश्मन को पता ही चल पाता है। यह दुश्मनों की नापाक हरकतों पर चुपके से नजर रखता है। जरूरत पड़ने पर मिसाइल से हमला कर टारगेट को बर्बाद कर देता है। अमेरिका इसे हंटर-किलर यूएवी श्रेणी में रखता है। यह लॉन्ग रेंज एंड्योरेंस ड्रोन है, जो हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलों से लैस रहता है। इस ड्रोन को दूर बैठकर कंप्यूटर से उड़ाया जाता है। यह जासूसी और हमला करने दोनों में सक्षम है।

ट्रंप की धमकी पर ईरान ने भी ललकारा, कहा हमारे ऊपर बम बरसाए तो लेंगे सख्त एक्शन

तेहरान, (आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है अगर वह न्यूक्लियर डील पर सहमति नहीं बनाता है, तो उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। अब अमेरिका की इस धमकी पर ईरान ने भी पलटवार किया है। ईरान के सर्वोच्च नेता आयातुल्लाह अली खामेनेई के एक सलाहकार अली लारीजानी ने चेतावनी देते हुए कहा है कि हम परमाणु हथियारों की ओर नहीं बढ़ रहे हैं, लेकिन अगर आप ईरानी परमाणु मुद्दे में कुछ गलत करते हैं, तो आप ईरान को उस ओर बढ़ने के लिए मजबूर कर देंगे, क्योंकि उसे हर हाल में अपनी रक्षा करनी है।

लारीजानी ने कहा कि ईरान ऐसा नहीं करना चाहता, लेकिन उसके पास कोई विकल्प नहीं होगा। अगर किसी समय अमेरिका या इजरायल की ओर से बमबारी की जाती है तो यकीनन आप ईरान को एक अलग फैसला लेने के लिए मजबूर करेंगे। इतना ही नहीं ईरानी संसद के स्पीकर गलीबाफ ने कहा है कि अगर अमेरिका ने ईरान को धमकाया तो समझ ले कि वह भी बारूद के ढेर पर बैठा है। अगर ईरान पर हमला हुआ, तो अमेरिका और उसके सहयोगियों को पूरे क्षेत्र में असुरक्षा झेलनी पड़ेगी। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान परमाणु समझौते पर सहमत नहीं होता है, तो फिर उन पर घातक बमबारी होगी। इसके बात खामेनेई ने रमजान के अंत में एक भाषण के दौरान ट्रंप की टिप्पणी के बारे में कहा, वो शरारत करने की धमकी देते हैं। अगर ऐसा किया जाता है, तो उन्हें जवाबी हमले जरिए इसका मुंहतोड़ जवाब मिलेगा। बता दें कि, ट्रंप ने मार्च में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को चिट्ठी लिखकर चेतावनी दी थी कि तेहरान को या तो नए सिरे से बातचीत के लिए सहमत होना पड़ेगा वरना सैन्य टकराव झेलना पड़ेगा।

मलेशिया में गैस पाइप फटने से लगी भीषण आग, कई किलोमीटर तक उठीं ऊंची लपटें

कुआलालंपुर,(आरएनएस)। मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर के निकट सेलंगोर राज्य के पुत्रा हाइट्स में मंगलवार को एक गैस पाइपलाइन के अंदर आग लगने से भीषण विस्फोट हो गया, जिसके बाद अधिकारियों ने आसपास के आवासीय क्षेत्रों को खाली कराने का आदेश दिया। आग लगने के कारण कई किलोमीटर तक ऊंची लपटें देखीं गईं। मध्य सेलंगोर राज्य के पुत्रा हाइट्स में एक गैस स्टेशन के पास लगी आग लगने की सूचना मिलते ही सेलंगोर के दर्जनों अग्निशमन कर्मियों को घटनास्थल पर भेजा गया। स्थानीय समाचार पत्र द स्टार ने अग्निशमन विभाग के निदेशक वान मोहम्मद रजाली वान इस्माइल के हवाले से बताया कि मौके पर मौजूद अग्निशमन कर्मियों ने आग लगने का कारण पाइपलाइन का फटना बताया है। आग इतनी भयंकर थी कि कुछ निवासियों ने कहा कि उन्हें अपने घरों के दरवाजे और खिड़कियां हिलती हुई महसूस हुईं, ऐसा माना जाता है कि यह पहले हुए आग के विस्फोट के कारण हुआ था। दुर्घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें आग का एक विशाल बादल आसमान में उठता देखा जा सकता है।

ताइवान के खिलाफ जंग की तैयारी! चीन ने दी खुलेआम धमकी; शुरु किया बड़ा सैन्य अभ्यास

बीजिंग(आरएनएस)। चीन और ताइवान के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। चीन ने एक बार फिर ताइवान के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। चीन ने ताइवान पर अपनी संप्रभुता का दावा करने के लिए उसके आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार को संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया है। चीन की ओर से किए जा रहे इस सैन्य अभ्यास में उसके कई बलों ने हिस्सा लिया है। इस अभ्यास का मकसद ताइवान की ''उन ताकतों को कड़ी चेतावनी'' देना है जो स्वयं को स्वायत्त बताती हैं।

'चाइनीज पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ईस्टर्न थिएटर कमांड' के एक प्रवक्ता ने बताया कि कमान ने मंगलवार को ताइवान द्वीप के आसपास संयुक्त अभ्यास शुरू किया। 'थिएटर कमांड' के प्रवक्ता सीनियर कर्नल शी यी ने सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के हवाले से कहा कि कमान ने अपनी थल सेना, नौसेना, वायुसेना और रॉकेट बलों को कई दिशाओं से ताइवान द्वीप के पास पहुंचने के लिए संगठित किया है।

शी के अनुसार, यह अभ्यास मुख्य रूप से समुद्री एवं हवाई युद्ध के लिए तैयारी गश्त, उत्कृष्ट संयुक्त अभ्यास, समुद्री और जमीनी लक्ष्यों पर हमले का अभ्यास और सैनिकों की संयुक्त अभियानगत क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए प्रमुख क्षेत्रों और समुद्री मार्गों पर केंद्रित हैं। शी ने कहा कि यह अभ्यास ''ताइवान की आजादी की समर्थक अलगाववादी ताकतों'' के खिलाफ एक सख्त चेतावनी है और चीन की संप्रभुता एवं राष्ट्रीय एकता की रक्षा के लिए एक वैध एवं आवश्यक कार्रवाई है।

इजरायल ने बेरुत पर किया भीषण हमला, अब हिजबुल्लाह के बड़े नेता को बनाया निशाना

बेरूत, (आरएनएस)। एक तरफ जहां इजरायल लगातार गाजा पर हले कर रहा है तो वहीं अब इजरायली सेना ने बेरूत के दक्षिणी इलाकों पर भी बम बरसाने शुरू कर दिए हैं। बेरूत में इजरायल की सेना ने एक इमारत पर हमला किया है। इजरायली आर्मी ने कहा कि उसने इस हमले में हिजबुल्लाह के एक सदस्य को निशाना बनाया है। यह हवाई हमला बिना किसी पूर्व चेतावनी के किया गया था। इससे पहले, इजरायल ने शुक्रवार को भी लेबनान की राजधानी बेरूत पर हमला किया था।

शुक्रवार को किया गया हमला पिछले साल 27 नवंबर 2024 को इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच युद्ध विराम होने के बाद बेरूत पर पहला हमला था। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि सोमवार देर रात किए हमले में हिजबुल्लाह के एक सदस्य को टारगेट किया गया था। इजरायल के खिलाफ हमलों में हिजबुल्लाह फलस्तीनी हमास समूह की मदद कर रहा है। इजरायली सेना ने कहा कि यह हमला इजरायल की घरेलू खुफिया एजेंसी शिन बेट के निर्देशन में किया गया था। हिजबुल्लाह ने हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। हताहतों के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी गई है। सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा की गई तस्वीरों एवं वीडियो में एक इमारत की ऊपरी तीन मंजिल क्षतिग्रस्त दिखाई दे रही हैं। इमारत के नीचे कई कार पर मलबे के ढेर देखे जा सकते हैं।

खेल समाचार

वॉर्न, कुंबले और चावला से प्रेरित हैं जीशान

नई दिल्ली (ए)। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे लेग स्पिनर जीशान अंसारी का कहना है कि वह शेन वॉर्न, अनिल कुंबले और पीयूष चावला जैसे खिलाड़ियों से प्रेरणा लेते हैं। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में डेब्यू किया था।

उन्हें एडम जंपा की जगह टीम में शामिल किया गया है। जीशान को सनराइजर्स ने मेगा ऑक्शन में 40 लाख रुपये में खरीदा गया था। जीशान ने भारतीय अंडर टीम से भी खेला है। यूपी टी20 लीग में अपनी शानदार लेग स्पिन गेंदबाजी से उन्होंने प्रभावित किया था। इस गेंदबाज ने मेरठ मावेरिक्स के लिए खेलते हुए टूर्नामेंट में 24 विकेट लिए थे। इसी कारण आईपीएल में भी उन्हें अवसर मिला है।

जीशान ने उत्तर प्रदेश के लिए 5 फर्स्ट-क्लास मैचों में भी 17 विकेट लिए हैं। इस क्रिकेटर ने कहा था, ' मैंने शेन वॉर्न, अनिल कुंबले और पीयूष चावला जैसे खिलाड़ियों से प्रेरणा ली. और उनकी गेंदबाजी को गहराई से अध्ययन किया। मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मैंने इस लीग में पीयूष चावला के साथ खेला। जीशान एक साधारण परिवार से हैं और उनके पिता दर्जी का काम करते हैं।

मिचेल के सामने नहीं टिक पाते हैं हेड

विशाखापट्टनम (ए.)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के प्रमुख बल्लेबाज ट्रेविस हेड आजकल सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से आईपीएल में खेल रहे है। हैड को उनकी आक्रामक बल्लेबाज के लिए जाना जाता है क्योंकि वह बड़ी बेरहमी से विरोधी गेंदबाजों की पिटाई करते हैं पर देखने में आया है कि अपने ही हमवतन मिचेल स्टार्क के सामने उनकी एक नहीं चलती। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में भी वह मिचेल का ही शिकार बने थे। ये छठी बार है जब वह स्टार्क के शिकार बने हैं। अब तक इन दोनो के बीच आठ बार मुकाबला हुआ है। इस बार हेड ने अच्छी शुरुआत की थी पर स्टार्क की बाउंसर पर शॉट खेलने के प्रयास में वह कैच हो गये। जब भी ये दोनों आमने-सामने आते हैं, तो स्टार्क हावी रहे हैं। पिछले 8 मुकाबलों में, स्टार्क ने हेड को 6 बार आउट किया है। छह बार में से, स्टार्क ने हेड को चार बार बोल्ड किया है वहीं बाकी दो बार, हेड विकेटकीपर के हाथों कैच हुए हैं। हेड ने स्टार्क के पहले ओवर में 11 रन बनाए थे। पर अगले ही ओवर में स्टार्क ने ने उन्हें पेवेलियन भेज दिया।

रहाणे ने हार के लिए बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया

नई दिल्ली (ए.)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मिली हार पर निराशा जतायी है। रहाणे ने कहा कि इस विकेट पर टीम को करीब 190 रन बनाने थे पर हम 116 रन ही बना पाये। रहाणे ने कहा, हमारे बल्लेबाज विफल रहे जबकि इस पर काफी रन बनने थे। हम हमें मिले अवसरों का लाभ नहीं उठा पाये। हमारे गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा पर बल्लेबाज विफल रहे। साथ ही कहा कि पावरप्ले में चार विकेट खोने के बाद वापसी कठिन होती है। वहीं केकेआर की शुरुआत अच्छी नहीं रही। नरेन पहले ही ओवर में पेवेलियन लौट गये। इसके बाद डिकॉक ने भी आउट हो गये। रहाणे भी 11 रन ही बना पाये। वहीं मनीष पांडे ने 17 और आंद्रे रसेल ने 5 रन बनाए। दूसरी ओर मुंबई की ओर से अश्विनी कुमार ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए। वानखेड़े की उछाल और स्विंग लेती पिच पर मुंबई के गेंदबाजों ने केकेआर के बल्लेबाजों की गलतियों का पूरा फायदा उठाते हुए किसी भी बल्लेबाज को टिकने नहीं दिया। इस हार से केकेआर अंतिम स्थान पर खिसक गयी है।

फुटबॉल मैच में रेफरी ने कोच को लगायी किक

अंकैश (ए)। यहां कोपा पेरू लीग फुटबॉल में स्पोर्ट हुआक्विला के खिलाफ हुए मैच में उस समय हड़कंप मच गया जब रेफरी लुइस एलेग्रे ने हमला करने आये सीईडीईसी के कोच मैग्डेलेना को किक मार दी। मैग्डेलेना रेफरी पर प्लास्टिक की बोतल से हमला करने आए थे पर उल्टे उन्हें ही किक लग गयी। मैच के अंतिम समय में हुई इस घटना से सभी हैरान रह गये। इस मैच में रैफरी एलेग्रे ने अपने लाइनमैन के संकेत पर मैग्डेलेना सीईडीईसी टीम के एक सदस्य को लाल कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया था। इस पर विवाद इतना बढ़ा कि कोचिंग स्टाफ का एक सदस्य प्लास्टिक की बोतल लेकर मैदान पर आया और रेफरी पर हमला करने आगे बढ़ा एलेग्रे ने यह देखकर दाहिने पैर से कराटे किक लगाई, जो कोच के चेहरे पर लगी और वह वहीं जमीन पर गिरकर बेहोश हो गये। इसे घटना से नाराज खिलाड़ियों ने एलेग्रे और उसके लाइनमैन को घेर लिया। जिसके बाद हालत संभालने के लिए पुलिस को मैदान में उतरना पड़ा। इसके बाद ये मैच स्थगित कर दिया गया। इस मामले का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें मैदान में सुरक्षा को लेकर सवाल उठे हैं।

2027 वर्ल्ड कप खेलना ही नहीं, जीतना भी है VIRAT KOHLI ने फैंस को दी बड़ी खुशखबरी

नई दिल्ली (ए)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने प्रशंसकों को एक बड़ी खुशखबरी दी है। उन्होंने 15 सेकंड के एक छोटे से वीडियो में 2027 के वनडे वर्ल्ड कप में खेलने और उसे जीतने की अपनी इच्छा जाहिर कर दी है। इस बयान के साथ ही उनके भविष्य को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर विराम लग गया है।चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से ही विराट कोहली के करियर और 2027 वर्ल्ड कप में उनकी भागीदारी को लेकर कई तरह की बातें सामने आ रही थीं। लेकिन अब खुद कोहली ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में इन सभी अटकलों को खारिज कर दिया है।वीडियो में जब विराट कोहली से उनके अगले बड़े कदम के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता मेरा अगला बड़ा कदम क्या होगा? पर शायद वो ये हो सकता है कि मैं 2027 का वनडे वर्ल्ड कप जीतने की कोशिश कर सकता हूं। विराट कोहली के इस बयान से साफ जाहिर होता है कि फिलहाल उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उनकी पूरी नजरें अब 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप पर टिकी हैं, जिसे वह हर हाल में जीतना चाहते हैं। गौरतलब है कि 2027 वर्ल्ड कप में अभी काफी समय है, लेकिन विराट कोहली ने अपनी इस घोषणा से अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं।

आरसीबी का मुकाबला गुजरात टाइटंस से होगा

बेंगलुरू (ए)। आईपीएल में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) का मुकाबला यहां अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से होगा। इस मैच आरसीबी जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। इसका कारण है कि उसे घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। वहीं इसके अलावा इस सत्र में उसने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। नये कप्तान रजत पाटीदार की कप्तानी में उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उसके अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी अच्छे फार्म में हैं। आरसीबी ने कोलकाता के ईडन गार्डंस पर केकेआर और चेन्नई सुपर किंग्स को चेपॉक पर हराकर शानदार शुरूआत की थी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो चिन्नास्वामी स्टेडियम पर आईपीएल के अब तक कुल 95 मैच खेले गए हैं, जिसमें से 41 मैच पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है। वहीं बाद में बैटिंग करने वाली टीम 50 मैच में जीत हासिल की है हालांकि 4 मैचों का परिणाम नहीं निकला।

इस पिच पर सबसे बड़ा रन 287/3 सनराइजर्स हैदराबाद ने बनाया गया है, जबकि सबसे छोटा स्कोर 82 रन आरसीबी की टीम ने बनाई है। आरसीबी और गुजरात टाइटंस टीम के बीच इस मैदान पर अब तक दो बार भिड़ंत हुई। इस मुकाबले में दोनों टीमों को एक-एक मैच में जीत हासिल हुई।

यहां के सटेडियम में छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड काफी रन बनते हैं पर आरसीबी का मानना है कि उसके तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार यहां बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं। हेजलवुड और भुवनेश्वर ने अब तक के मैचों में अच्छी गेंदबाजी की है।

वहीं दूसरी ओर गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी कप्तान शुभमन गिल और बी साइ सुदर्शन पर टिकी रही। आरसीबी का प्रयास करेगा कि गुजरात के शुरुआत में ही विकेट गिरावट दबाव बनाया जाये। इस मामले में उसके पास स्विंग कराने में माहिर भुवनेश्वर और सटीक हेजलवुड जैसे गेंदबाज हैं।

शास्त्री ने अश्वनी कुमार की जमकर प्रशंसा की, पूछा लंच में क्या खाया

मुंबई (ए)। पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेर बने रवि शास्त्री ने मुंबई इंडियंस के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार की जमकर प्रशंसा की है। शास्त्री ने आईपीएल के अपने पहले ही मैच में चार विकेट लेने वाले अश्वनी की जमकर प्रशंसा की है। अश्वनी की शानदार गेंदबाजी के बल पर ही मुम्बई को 18 वें सत्र में पहली जीत मिली है। अश्वनी ने इस मैच में केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे, रिंकू सिंह, मनीष पांडे और आंद्रे रसेल जैसे प्रमुख बल्लेबाजों को पेवेलियन भेजा। वहीं जब शास्त्री ने अश्वनी से पूछा कि लंच में क्या खाया था तो अश्वनी ने बताया कि मैच के पहले हुए दबाव से उन्हें भूख नहीं लगी थी। ऐसे में उन्होंने केवल एक केला खाया था। मैच में उनकी शानदार गेंदबाजी से मुंबई ने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को आसानी से हरा दिया। शास्त्री ने अश्विनी से मजाकिया अंदाज में कहा, अपने बैग में हमेशा केले रखा करो। अश्वनी ने कहा कि कप्तान हार्दिक पांड्या ने उनसे कहा था कि यह तुम्हारा पहला मैच है, इसलिए बिना तनाव लिए अपने अनुसार गेंदबाजी करो। अश्वनी ने आईपीएल खेलने से पहले केवल चार ही टी20 मैच खेले थे। इसके अलावा उन्होंने 2 रणजी ट्रॉफी और 4 लिस्ट ए मैच भी खेले हैं।

गेहूं उपार्जन के कार्य में आती जा रही है गति

फेफरताल में तौल कांटे की पूजन के साथ हुआ केंद्र का शुभारंभ

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में गेहूं उपार्जन का कार्य गति पकडने लगा है। देरी होने वाली कटाई के कारण अभी खरीदी केंद्रों पर आवक कम ही है। जिले में गेहूं खरीदी का कार्य शुरू जरूर हो गया है। लेकिन धीरे धीरे हो रहा है। मंगलवार को जय माँ अन्नपूर्णा वेयरहाउस फेफरताल में गेहू उपार्जन कार्य के लिए तौलकांटे की पूजन अर्चन जनपद पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, नागरिक आपूर्ति निगम से अधिकारी मेघराज वेयरहाउस कारपोरेशन से वासुदेव गावंडे, समाजसेवी किसान ब्रजेश मिश्रा विधायक प्रतिनिधि प्रभु मीना बुधवाड़ा, आगरा के हुकुम सिंह बालोद अन्य किसान बडी संख्या में उपस्थित रहे। माँ रेवा स्व सहायता समूह की अध्यक्ष सीता वर्मा सचिव कृष्णा भदौरिया ने पूजन अर्चन करके सर्वप्रथम आने बाले किसानों को पुष्पगुच्छ देखकर स्वागत किया मिठाई खिलाकर तुलाई कार्य का शुभारंभ किया गया। वेयरहाउस के मालिक अजित मीना, केंद्र प्रभारी कन्हैया लाल वर्मा आदि की उपस्थिति में शुभारंभ किया गया।

5 अप्रैल तक सभी विभागीय अधिकारी अपना वार्षिक रोस्टर निरीक्षण डायरी बनाएं : कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी

नरवाई की कटाई के लिए हैप्पी एवं सुपर सीडर को बढ़ावा मिले

कमिश्नर ने संभागीय समय सीमा की बैठक में अधिकारियों को दिये निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने संभागीय समय सीमा की बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे वार्षिक लक्ष्य का निर्धारण करते हुए विभागीय रोस्टर निरीक्षण डायरी बनाएं। इसमें अपनी योजनाओं एवं निर्माण कार्यों तथा निरीक्षण का लक्ष्य निर्धारित करें और अपने निर्धारित लक्ष्य के अनुसार ही सारे कार्य समय सीमा में संपादित करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष सभी अधिकारी अपने दिए गए लक्ष्य को बढ़ाएं। उन्होंने संभाग के सभी जिलों में नरवाई जलाने की प्रवृत्ति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे किसानों के बीच जाकर हैप्पी सीडर और सुपर सीडर मशीन के उपयोग को बढ़ावा दें। किसानों को समझाइश दे की सुपर एवं हैप्पी सीडर मशीन से नरवाई काट कर उसका उपयोग भूसे के रूप में करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए की किसानों को मक्का की फसल लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाए।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में मूंग एवं गेहूं की बजाय किसान मक्का का उत्पादन करें इसके लिए कृषि विभाग हर संभव प्रयास करें।जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्देश दिए की जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 15 विभाग को संलग्न किया गया है जो जल गंगा अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों को मूर्त रूप देंगे। उन्होंने गेहूं उपार्जन के संबंध में भी आवश्यक जानकारी ली एवं बताया कि अब तक किसानों को गेहूं उत्पादन का 14 करोड रुपए का पेमेंट किया गया है लेकिन अभी 5 करोड़ का पेमेंट सक्सेस दिख रहा है। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि गेहूं उपार्जन के सात दिवस के अंदर किसानों को उपार्जन का पेमेंट करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी आंगनबाड़ी एवं स्कूल अपने निर्धारित समय पर खोलने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने 2005 के बाद नियुक्त ऐसे कर्मचारी एवं अधिकारी जिनका एनपीएस मिसिंग कटोत्रा है उनके मिसिंग कटोत्रा को एनपीएस में जोड़ने के निर्देश दिए और कहां की मिसिंग कटोत्रा की मैचिंग अनिवार्य रूप से कराई जाए। कमिश्नर ने खुले बोरवेल एवं नलकूप के गडडो को ढकने के निर्देश दिए और कहां की खुले नलकूप एवं बोरवेल के गड्ढे दुर्घटनाओं को आमंत्रित करते हैं, इससे जनहानि बढ़ सकती है। उन्होंने लापरवाही से नलकूप एवं बोरवेल के अनुप्रयोगी गडडो को खुला छोड़ने वालों के विरुद्ध नियम अनुसार कार्रवाई करना सुनिश्चित करनें के निर्देश दिए। उन्होंने ड्रग इंस्पेक्टरो को मिलावटी खाद्य पदार्थ की जांच करने के निर्देश दिए और कहां की ड्रग इंस्पेक्टर वर्ष भर सक्रिय रहकर मिलावटी एवं दूषित खाद पदार्थ की जांच करें।

शालाओं में प्रवेशोत्सव जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को पुस्तकें वितरित कर बढ़ाया उत्साह

नर्मदापुरम (निप्र)। मंगलवार को नर्मदापुरम जिले की सभी शासकीय शालाओं में स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रवेशोत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा नि:शुल्क पुस्तकें वितरित की गईं। जिला परियोजना समन्वयक डॉ. राजेश जायसवाल ने बताया कि कलेक्टर सोनिया मीना एवं सीईओ जिला पंचायत सुजान सिंह रावत के निर्देश पर जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन सीएम राइज पवारखेड़ा में किया गया, जिसमें जनपद पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे एवं राज्य शिक्षा केंद्र से ओआईसी माधवी मल्होत्रा तथा पीपुल्स संस्था से दीपा रघुवंशी शामिल हुईं।विकासखंड सिवनी मालवा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विधायक प्रेमशंकर वर्मा एवं जिला पंचायत अध्यक्ष राधा सुधीर पटेल ने बच्चों की हौसला अफजाई की। विकासखंड नर्मदापुरम में शासकीय प्राथमिक शाला आईटीआई में नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने कार्यक्रम में भाग लिया।

किसानों को एक दिवसीय प्रशिक्षण में उद्यानिकी विषयक खेती किसानी के गुर सिखाए

नर्मदापुरम (निप्र)। संभागीय कृषक प्रशिक्षण केंद्र नर्मदापुरम में राज्य पोषित योजना अंतर्गत जिले के अंदर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें नर्मदापुरम सिवनी मालवा केसला एवं माखन नगर के लगभग 100 कृषको के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। प्रशिक्षण अंतर्गत कृषि महाविद्यालय पवारखेड़ा के वैज्ञानिक डॉक्टर आशीष शर्मा, एसके महाला प्रमोद दुबे रमेश चंद मेहरा ऋतुराज भाटी संजय तिवारी जिला रिसोर्स पर्सन के द्वारा कृषकों को हाईटेक हॉर्टिकल्चर प्रधानमंत्री सूचना खाद्य उद्योग योजना जैविक खेती औषधि फसलों की खेती छिया सीड्स मधुमक्खी पालन पोली हाउस में सब्जी फूलों की खेती आज के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में प्रभारी संयुक्त संचालक उपसंचालक उद्याानिकी श्रीमती रीता उइके, उपसंचालक उद्यान एस के महालहा, प्रमोद दुबे आर के साध सुश्री विजयलक्ष्मी विकास अग्रहरि आशीष ठाकुर रुक्मणी मरावी, प्रीति मेरावी दुर्गेश बारोट शांतिलाल पटेल पवन रघुवंशी अमित पांडे आदि उद्यानकी विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान श्रीमती रीता उइके द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के बारे मे कृषको को विस्तार से जानकारी दी गयी। आभार प्रदर्शन श्रीमती रीता उइके उपसंचालक उद्यान नर्मदापुरम द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले कृषकों को समापन अवसर पर प्रमाण पत्र का वितरण किया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संगोष्ठी का हुआ आयोजन

जल संवर्धन एवं जल संरचनाओं के पुनरुद्धार करने का लिया संकल्प

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में प्रकृति एवं जल संवर्धन को समर्पित 30 मार्च से 30 जून 2025 तक चलने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान का आगाज़ विकासखंड बनखेड़ी एवं शहीद भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिपरिया में जल संगोष्ठी के रूप में हुआ। शहीद भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिपरिया में संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत समाज सेवा के विद्यार्थियों ने जल संवर्धन एवं जागरूकता अभियान को वृहद रूप से संचालित करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर संभाग समन्वयक कौशलेश प्रताप तिवारी नें अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी को मिलकर पानी की एक-एक बूंद को बचाने के लिए कार्य करना होगा तभी यह अभियान सफल होगा।जिला समन्वयक पवन सहगल ने अपने उद्बोधन में कहा कि ग्राम में जल चौपाल, श्रमदान, स्कूल रैली, दीवार लेखन, नुक्कड़ नाटक, निबंध प्रतियोगिता के माध्यम से जल संरक्षण का दिया जाएगा। विकासखंड समन्वयक दयाशंकर उमरे ने विद्यार्थियों को जल दूत के रूप में अपना पंजीयन करने हेतु प्रेरित किया एवं सभी विद्यार्थि 10-10 लोगों के पंजीयन जल दूत के रूप में पंजीकृत करे। उपस्थित सभी युवाओं ने जल संरक्षण के संबंध में अपने विचार व्यक्त किया एवं जल को बचाने का संकल्प लिया इस मौके पर सभी मेंटर्स, नवांकुर एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

आगजनी से पीड़ित किसानों को क्षतिपूर्ति मुआवजा दिलाने का दिया भरोसा

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के पदाधिकारी ने किया दौरा

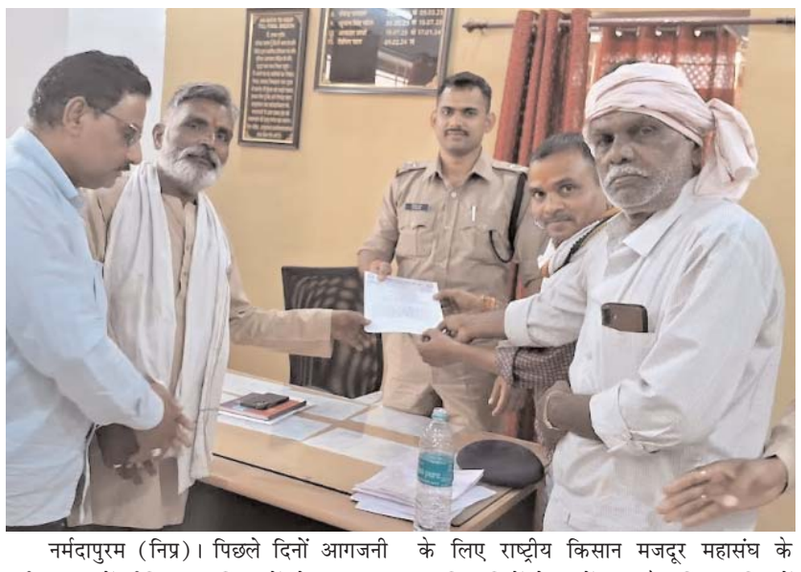

नर्मदापुरम (निप्र)। पिछले दिनों आगजनी की घटना में पीडित हुए किसानों से मुलाकात करने तथा उनको हुई क्षतिपूर्ति की राहत दिलाने के लिए राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के पदाधिकारियों ने गावों का दौरा किया। जिसमें प्रदेश मंत्री रमाकांत मीणा, शिवराज राजोरिया जिला अध्यक्ष नर्मदापुरम, जितेंद्र भार्गव मध्य भारत प्रांतीय उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार ब्लॉक अध्यक्ष इटारसी ने गजपुर घोघरी के किसानों से मुलाकात की तथा उनको हुए नुकसान के लिए अधिकारियों से राहत दिलाने का आग्रह किया है। रमाकांत मीणा ने बताया कि जिन किसानों को क्षति हुई है उनमें दिलीप बल्द हजारीलाल चोरे की आधा एकड़, सुरेश गोकल राजपूत 1 एकड़, यशवंत राजपूत 2 एकड़, विश्राम झगडु राजपूत डेढ़ एकड़, संतोष रघुनंदन 4 एकड जगदीश घोंसी की डेढ़ एकड़, दुलारे धन्नालाल 4.30 एकड़ एवं दमदम ग्राम की 14 एकड़ जमीन में गेहूं की खड़ी फसल जलकर खाक हुई थी।

थाना प्रभारी गुर्रा को महासंघ के पदाधिकारियों ने एक ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया की दमदम में आगजनी की जांच कर हार्वेस्टर मालीक पर प्रकरण दर्ज किया जावे। जिससे पीड़ित किसानों को न्याय मिल सके।

नगर पालिका परिषद की बैठक 4 अप्रैल को

बजट पर होगी विशेष चर्चा

नर्मदापुरम (निप्र)। नगर पालिका परिष्द की बैठक 4 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से होगी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस बैठक में नगर में होने वाले संभावित विकास के कार्यों के लिए बजट तैयार किया जाएगा। परिषद की बैठक में बजट पर विशेष चर्चा होगी। इस मौके पर अध्यक्ष सीएमओ के साथ पार्षदों का सहभोज होने की भी संभावना है।

अनुकंपा नियुक्ति, प्रधानमंत्री आवास, लाडली लक्ष्मी योजना आदि समस्याओं से संबंधित 59 आवेदनों का किया गया निराकरण

कलेक्टर ने जनसुनवाई के दौरान किया नागरिकों की समस्याओं का समाधान

नर्मदापुरम (निप्र)। मंगलवार को कलेक्टर सोनिया मीना ने कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान 59 आवेदन कर्ताओं की समस्याओं का समाधान किए। इस दौरान उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति, प्रधानमंत्री आवास, लाडली लक्ष्मी योजना से संबंधित कई अन्य शिकायती आवेदनों के निराकरण किए जाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। जनसुनवाई के दौरान जिला पंचायत सीईओ सोजान सिंह रावत, अपर कलेक्टर डीके सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई के दौरान आवेदनकर्ता कृष्ण कुमार घोरमारे ने आवेदन प्रस्तुत कर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने के लिए कलेक्टर को बताया कि उनके पिता जो कि एकीकृत महिला एवं बाल विकास विभाग में सहायक ग्रेड 3 के पद पर पदस्थ थे उनका देहांत 18 जनवरी को हो चुका है। देहांत उपरांत शासन के निर्देश अनुसार अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जाना था जो कि अभी तक अप्राप्त है। कलेक्टर ने जिला योजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास को निर्देश दिए की आवेदन करता के प्रकरण के सभी बिंदुओं की जांच कर अनुकंपा नियुक्ति उपलब्ध करवाई जाना सुनिश्चित करें। एक अन्य आवेदक ममता पवार निवासी ग्राम गुढ़ला तहसील माखन नगर ने बताया कि लाडली लक्ष्मी योजना में उनकी पुत्री का नाम गलत दर्ज हो गया है।

तीन पार्क, संजीवनी क्लीनिक, आंगनबाड़ी भवन और सड़क निर्माण का नपाध्यक्ष ने किया निरीक्षण

नर्मदापुरम। इटारसी (निप्र)। इटारसी नगरपालिका अध्यक्ष इटारसी पंकज चौरे ने वार्ड क्रमांक 13 और 14 में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां वार्ड 13 में विकसित किए जा रहे तीन पार्क, संजीवनी क्लीनिक, आंगनबाडी भवन के अलावा वार्ड 14 में हालही में बनी सडक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राजस्व सभापति व वार्ड 13 के पार्षद प्रतिनिधि मनीष ठाकुर, वार्ड 14 के पार्षद संजय ठाकुर मौजूद थे।निरीक्षण की शुरुआत वार्ड क्रमांक 13 में वरिष्ठ पत्रकार पुनीत दुबे के घर के पास विकसित किए जा रहे पार्क से हुई। नपाध्यक्ष श्री चौरे ने यहां श्री ठाकुर के साथ पार्क बाउंड्रीवाल का निरीक्षण किया। पार्षद प्रतिनिधि मनीष ठाकुर ने बताया कि यहां पार्क इस तरह से विकसित किए जा रहे हैं जिससे यहां के नागरिकों को रोड चौडी भी मिल जाए। श्री ठाकुर ने बताया कि साईं मंदिर के पास मौजूद पार्क का निरीक्षण नपाध्यक्ष श्री चौरे को कराया है। यहां बाउंड्रीवाल निर्माण के साथ ही एक सामुदायिक भवन प्रस्तावित है। इसी के साथ ही वरिष्ठ पत्रकार अरविंद शर्मा के घर के सामने मौजूद पार्क में बन रही आंगनबाडी भवन का निरीक्षण भी नपाध्यक्ष श्री चौरे ने किया। यहां आंगनबाडी निर्माण के बाद पार्क की बाउंड्रीवाल भी की जाएगी।

संजीवनी क्लीनिक का किया निरीक्षण.

नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने प्रकाश उदयान के पास बन रही संजीवनी क्लीनिक का निरीक्षण भी पार्षद प्रतिनिधि ठाकुर के साथ किया। उन्होंने निर्माण की कार्य की प्रशंसा की।

वार्ड 14 में सडक निर्माण का किया निरीक्षण.

नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने वार्ड 14 में पार्षद संजय ठाकुर के साथ यहां हालही में बनी मुख्य रोड का निरीक्षण किया और निर्माण पर संतोष जाहिर किया। यहां महिलाओं ने नपाध्यक्ष पंकज चौरे के प्रति आभार जताया है। साथ ही कुछ समस्याएं भी नपाध्यक्ष को बताई जिसे शीघ्र ही हल करने का वादा नपाध्यक्ष श्री चौरे ने किया। वार्ड 13 की पार्षद अमृता ठाकुर ने बताया कि वार्ड में करीब एक करोड़ के निर्माण कार्य चल रहे हैं एवं एवं वार्ड के प्रमुख सभी ग्राउंडों में बाउंड्री बाल एवं रोड का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है साथ ही पवन तिवारी के मकान से लेकर कमल दरडा के मकान तक एवं शेखर सोनी के मकान के सामने डामर रोड का कार्य भी प्रारंभ होगा।

राष्ट्रीय जूनियर हैंडबॉल में नर्मदापुरम के पांच खिलाड़ी

नर्मदापुरम (निप्र)। जहानाबाद बिहार में संपन्न हुई 46 वी जूनियर राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में हिमालय हैंडबॉल अकादमी नर्मदापुरम के 5 खिलाड़ी जीत खरारे, सतीश मशराम, विकास सेन, लवकुश, चिराग ने मध्यप्रदेश से प्रतिनिधित्व किया। इस उपलब्धि पर समेरिटेन्स स्कूल के संचालक और मध्यप्रदेश हैंडबॉल एसोसियेशन के उपाध्यक्ष डॉ आशुतोष शर्मा, प्राचार्या श्रीमती प्रेरणा रावत, जिला खेल अधिकारी सुश्री उमा पटेल, सचिन खम्परिया, ऑस्कर एरिन मोजेस, विनोद कुमार साहू, विक्रांत खम्परिया, शिखा खम्परिया प्रमोद शर्मा सहित सभी हैंडबॉल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए खिलाडियों को शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा राष्ट्रीय प्रतियोगिता खेलने वाले खिलाड़ी हिमालय हैंडबॉल अकादमी नर्मदापुरम के ही है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com